गाजियाबाद से प्रकाशित व नोएडा, मेरठ, हापुड़, मुरादाबाद, शामली, मुजफ्फरनगर, हरियाणा, देहरादून, लखनऊ से एक साथ प्रसारित हिंदी समाचार पत्र

RNI No:- UPHIN/2010/35305

दैनिक तवँर न्यूज

युवा पीढ़ी के लिए नई विचारधारा

वर्षः 16 अंकः 144 गाजियाबाद, सोमवार 05 मई 2025 मूल्य 1.00 रूपये मात्र पेजः - 6

Mail:- tanwarnews@gmail.com Mo. No:- +91 9213792086

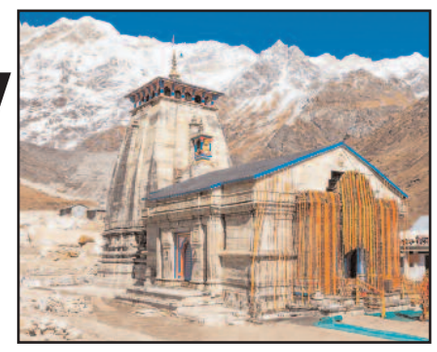

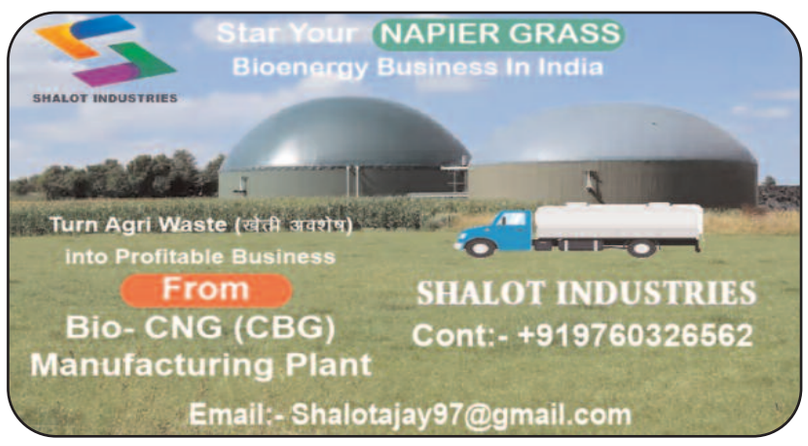

योगी सरकार के सख्त निर्देश,
बाढ़ सुरक्षा के उपाय पहले से ही करने में जुट जाएं अफसर

तवँर न्यूज़ संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार ने बाढ़ नियंत्रण को लेकर गोरखपुर, श्रावस्ती, अमेठी, सीतापुर, आजमगढ़, गाजीपुर और बुलंदशहर समेत कई जिलों में बाढ़ सुरक्षा के व्यापक उपायों के लिए 200 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। बरसात से पहले ही पुख्ता तैयारियों के लिए शासन ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग को सख्त निर्देश जारी किए हैं।

राज्य पोषित और नाबार्ड पोषित योजनाओं के तहत इन परियोजनाओं में आरसीसी पिलर, तटबंधों की मरम्मत, कटाव रोकने वाले कार्य और पम्पिंग स्टेशनों के निर्माण शामिल हैं। प्रमुख अभियंता एवं विभागाध्यक्ष को पत्र भेजकर निर्देश दिए गए हैं कि सभी कार्य युद्धस्तर पर पूरे किए जाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही सभी जिलों को समयबद्ध ढंग से बाढ़ से पूर्व सभी कार्य पूरे करने होंगे।

प्रमुख जिलों में किए जाएंगे ये कार्य

– गोरखपुर में रोहिन नदी के दाएं तट पर मानीराम– डोमिनगढ़ तटबंध के पास पम्पिंग स्टेशन के लिए 57 करोड़ रुपए की नाबार्ड पोषित परियोजना को वित्तीय स्वीकृति।

– अमेठी की तीन ड्रेन (अकबरगंज, गुलालपुर एवं हरकरनपुर) पर क्षतिग्रस्त वी.आर.बी. की जगह नई आरसीसी वी.आर.बी. के निर्माण के लिए 2.30 करोड़।

– श्रावस्ती में राप्ती नदी के बाएं तट पर परसा डेहरिया तिलकपुर सीमांत तटबंध पर 6.88 करोड़, जबकि खजुहा झुनझुनिया अंधरपुरवा तटबंध पर 7.44 करोड़ की परियोजना।

– आजमगढ़ में सरयू नदी के महुला गढ़वल तटबंध पर स्लोप पिचिंग के लिए 1.27 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति, 77 लाख अवमुक्त।

– गाजीपुर में गंगा नदी के किनारे कटाव रोकने के लिए 10.90 करोड़ की परियोजना, शेरपुर– सेमरा क्षेत्र के लिए 5.49 करोड़।

– बुलंदशहर में गंगा नदी में गजरौला क्षेत्र में बाढ़ से सुरक्षा के काम में 1.57 करोड़, जिसमें से 95 लाख की पहली किश्त जारी।

– सीतापुर में सरयू तट के चहलारीघाट– गनेशपुर तटबंध पर निर्माण के लिए 22.30 करोड़ की स्वीकृति।

– गोरखपुर में रोहिन नदी के मछलीगांव अलगटपुर तटबंध पर पम्पिंग स्टेशन व अन्य कार्यों के लिए 54.51 करोड़ की स्वीकृति।

– राप्ती नदी के फ्लड प्लेन जोन में आरसीसी पिलर लगाने की परियोजना को 12.50 करोड़ रुपये की मंजूरी।

700 फुट गहरी खाई में गिरा सेना का वाहन, 3 जवानों की मौत

तवँर न्यूज़ संवाददाता

जम्मू– कश्मीर के रामबन जिले में बैटरी चश्मा के पास सुबह करीब साढ़े 11 बजे सेना का एक ट्रक सड़क से फिसलकर 700 फीट गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में सेना के तीन जवानों की मौत हो गई। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर हुई इस घटना की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि जम्मू से श्रीनगर जा रहे काफिले में शामिल सेना का ट्रक नियंत्रण खो बैठा और खाई में गिर गया।

पीटीआई के अनुसार, मृतकों की पहचान सिपाही अमित कुमार, सुजीत कुमार और मन बहादुर के रूप में हुई है। उनके शव खाई से निकाले जा रहे हैं।

सेना, पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से तत्काल संयुक्त बचाव अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के कारण वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।

हाल ही में कई ऐसी ही दुर्घटनाएं हुई हैं

मार्च में इसी तरह की एक घटना में, ताज़ी सब्ज़ियां ले जा रहा एक लोड कैरियर सड़क से फिसलकर रामबन जिले में गहरी खाई में गिर गया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जैसा कि पीटीआई ने बताया, एक पुलिस अधिकारी ने बताया। पीड़ित, चालक अर्शीद अहमद और उनके सहायक सेवा सिंह– दोनों की उम्र 30 के आसपास थी– अपने गांव उखराल पोगल– परिस्तान लौट रहे थे, जब जम्मू– श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैटरी चश्मा के पास दुर्घटना हुई।

मार्च में एक अन्य घटना में, अधिकारियों ने कहा कि रियासी जिले में एक वाहन के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिरने से चार लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। दुर्घटना गंगोडे इलाके में हुई जब चालक ने कथित तौर पर टेम्पो ट्रैवलर पर नियंत्रण खो दिया, जिससे वह खाई में गिर गया।

हर चेहरे पर खुशहाली सरकार की प्राथमिकता: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने रविवार को किया
जनता दर्शन प्रदेश भर से आये लोगों की सुनीं समस्याएं

तवँर न्यूज़ अमित तंवर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को जनता दर्शन किया। इस दौरान 60 से अधिक फरियादी आए। मुख्यमंत्री ने एक– एक करके सभी से मुलाकात की, फिर कुशलक्षेम पूछा। इसके बाद हर पीड़ित तक पहुंचे, शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रदेश के हर नागरिकों के चेहरे पर खुशहाली लाना ही सरकार की प्राथमिकता है और सरकार इसके लिए पहले दिन से ही कार्य कर रही है। जनता दरबार में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सड़क निर्माण समेत अनेक मामले आए, जिस पर प्रार्थना पत्र लेकर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया।

अफसरों को दिया प्रार्थना पत्र, समय से निस्तारण के निर्देश

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को शिकायतों का प्रार्थना पत्र सौंपते हुए इसके समय से निस्तारण के निर्देश दिए। प्रतापगढ़ के कुंडा में विगत दिनों हुई घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस घटना के आरोपियों को बख्शेंगे नहीं। वहीं दो महिलाओं ने पुलिस से संबंधित शिकायत की, जिसे मुख्यमंत्री ने गंभीरता से सुना और कार्रवाई के लिए निर्देशित किया।

विभिन्न विभागों से जुड़े मामले लेकर पहुंचे पीड़ित

जनता दर्शन में मड़ियाव थाना के रहने वाले एक राजमिस्त्री वृद्धावस्था पेंशन की फरियाद लेकर आए थे। जिस पर मुख्यमंत्री ने नियमसंगत कार्रवाई को लेकर आश्वस्त किया। आरटीई, खेत की पैमाइश, आवास, चकरोड, खेतों में कब्जा, बिजली कनेक्शन समेत अन्य फरियाद लेकर पीड़ित पहुंचे, जिसके समाधान का मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया।

बच्चों को दुलारा और दी चॉकलेट

जनता दर्शन में कई पीड़ित परिवार के साथ आए थे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान बच्चों को दुलारा, उनकी शिक्षा के बारे में जानकारी ली और चॉकलेट भी दी। सीएम योगी ने बच्चों को खूब पढ़ने और उज्ज्वल भविष्य का भी आशीर्वाद दिया।

अगर हम बीजेपी की बी टीम होते तो पीएम मोदी के सामने वक्फ कानून नहीं फाड़ते

–बिहार में विपक्ष पर गरजे ओवैसी, पाकिस्तान–बांग्लादेश को दिखाई उनकी औकात

बहादुरगंज (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए एआईएमआईएम को असली मुकाबला करने वाली पार्टी बताया है। बिहार में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि इस बार फिर विपक्षी दल आएंगे और कहेंगे कि हम बीजेपी की बी टीम हैं।

ओवैसी ने कहा कि ये वही बी टीम है, जिसने वक्फ संशोधन अधिनियम को पीएम मोदी के सामने फाड़ दिया था। आप लोग तो ए टीम थे, लेकिन आपने कुछ नहीं किया, बस तीन मिनट बोले और बैठ गए। ओवैसी ने मतदाताओं से एआईएमआईएम को समर्थन देने की अपील की और दावा किया कि कई पार्टियां आकर लोगों को पैसे देंगी। उन्होंने कहा कि पैसे ले लेना, लेकिन वोट एआईएमआईएम को ही देना।

किशनगंज में रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने पाकिस्तान को असफल देश बताया और कहा कि वह कभी भी भारत को शांति से नहीं रहने देना चाहता है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा पाकिस्तान से मजबूत था, है और रहेगा। पाकिस्तान न तो अपने ही समुदायों में शांति स्थापित कर पाया है और न ही ईरान और अफगानिस्तान जैसे अपने पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध रख पाया। मोदी सरकार ने पाकिस्तान के जहाजों और विमानों की आवाजाही पर जो बैन लगाया हैं, वे सही कदम हैं, लेकिन अब और सख्त कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि आतंकवाद को प्रायोजित करने के लिए पाकिस्तान को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की ग्रे लिस्ट में डालने पर विचार किया जाना चाहिए।

ओवैसी ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत-विरोधी बयानों की भी कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि मुनीर को याद रखना चाहिए कि भारत में रहने वाले मुसलमानों ने 1947 में जिन्ना को ठुकरा दिया था और यहीं रहना मंजूर किया था। उनके वंशज अब किसी भी हालत में भारत की धरती को नहीं छोड़ेंगे। इसके साथ ही ओवैसी ने बांग्लादेश के एक पूर्व सैन्य अधिकारी की उस टिप्पणी पर भी नाराजगी जताई, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि भारत पाकिस्तान पर हमला करता है, तो बांग्लादेश को चीन के साथ मिलकर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर कब्जा करना चाहिए। ओवैसी ने तीखे शब्दों में कहा कि आपको याद रखना चाहिए कि बांग्लादेश को आज़ादी भारत की वजह से मिली है।

झारखंड में नक्सलियों ने फिर मचाया उत्पात, कई मशीनें और गाड़ियां फूंकी

–पुलिस ने पूरे इलाके को किया सील, छापामारी भी की शुरु

लातेहार (एजेंसी)। झारखंड में लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत तोरीसोत गांव में शनिवार रात नक्सलियों ने उत्पात मचाया। खनिज सर्वे करने वाली कंपनी की साइट पर हमला कर दो ड्रिलिंग मशीन समेत आठ मशीनों को नक्सलियों ने आग के हवाले कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद लातेहार एसपी के निर्देश पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना में सभी वाहन जलकर खाक हो गए।

पुलिस टीम ने पूरे इलाके को सील कर छापामारी भी शुरू कर दी है। घटना को अंजाम किस संगठन ने दिया है? इसकी सूचना नहीं मिल सकी है, लेकिन लोगों का कहना है कि जिस प्रकार से घटना को अंजाम दिया गया है यह माओवादी संगठन का हाथ हो सकता है। फिलहाल पुलिस इस संबंध में जानकारी जुटा रही है।

कंपनी की ओर से क्षेत्र में कोयले का सर्वे किया जा रहा था। शनिवार देर रात हथियारबंद नक्सली साइड पर पहुंचे और वहां फायरिंग करते हुए गाड़ियों में आग लगा दी। नक्सलियों ने यहां दो ड्रिलिंग मशीन, दो कार, दो पिकअप और दो ट्रक को आग के हवाले दिया। करीब 1 घंटे तक उत्पात मचाने के बाद नक्सली वहां से चले गए। यह इलाका लातेहार-चतरा और रांची का बॉर्डर इलाका है। काफी सुदूर इलाका होने से इस इलाके में नक्सलियों की गतिविधियों की सूचना मिलती रहती है। पिछले कुछ दिनों से यह इलाका पूरी तरह शांत था लेकिन नक्सलियों ने एक बार फिर अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए इतनी घटना को अंजाम दिया।

सरकार को आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई करनी चाहिए : प्रमोद तिवारी

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने पहलगाम हमले को लेकर सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आतंकवादियों और उनके समर्थकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उनका बयान सरकार को आतंकवाद के खिलाफ एक स्पष्ट रणनीति बनाने और इसे सख्ती से लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विपक्षी दलों और सरकार के बीच हमले की जांच और दोषियों को सजा देने की बहस तेज हो रही है, जिसमें प्रमोद तिवारी ने अपना नेतृत्व दिखाया है। इस विवादित मुद्दे पर जल्द ही और आंकड़े सामने आने की उम्मीद है जो राष्ट्रीय सुरक्षा को और मजबूत बनाने में मददगार साबित हो सकते हैं। प्रमोद तिवारी ने सरकार को जागने की सलाह देते हुए कहा कि अब और देरी बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि सरकार को आतंकवाद के खिलाफ एक स्पष्ट और प्रभावी रणनीति बनानी होगी और उसे सख्ती से लागू करना होगा। उन्होंने खुफिया एजेंसियों की विफलता पर भी सवाल उठाए और कहा कि हमले से पहले खुफिया जानकारी क्यों नहीं मिली। इस बयान से स्पष्ट है कि कांग्रेस पार्टी पहलगाम हमले को लेकर सरकार पर दबाव बना रही है और उनसे ठोस कार्रवाई की मांग कर रही है। कांग्रेस का यह बयान ऐसे समय में आया है जब सरकार पर आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीतियों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस घटना ने एक बार फिर राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद से निपटने की रणनीति पर बहस छेड़ दी है।

भट्टा पारसौल और क्षेत्र के किसानों का फूटा गुस्सा, जेवर विधायक को तलब करते हुए शीघ्र समस्याओं का निस्तारण कराए जाने को कहा

तवँर न्यूज़ दीपक कुमार

ग्रेटर नोएडा। अचानक भट्टा पारसौल में आयोजित किसानों की पंचायत में उपस्थित क्षेत्र के अनेकों ग्रामों के किसानों ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण पर वायदा खिलाफी का आरोप लगाते हुए आर– पार की लड़ाई लड़ने का ऐलान किया। किसानों की इस पंचायत में क्षेत्र के किसानों ने जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह को भी बुलाया और कहा कि माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृव वाली प्रदेश सरकार में 08 वर्ष बाद भी क्षेत्र के किसानों की समस्याएं जस की तस बनी हुई है।

जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने किसानों की समस्याओं को सुनते हुए उन्हें पूर्ण आश्वस्त किया कि आपकी समस्याएं मेरी समस्याएं हैं। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने किसानों की पंचायत में उपस्थित यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को आगामी 15 दिवस में किसानों की समस्याओं को लेकर प्राधिकरण की स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए और कहा कि यमुना एक्सप्रेस–वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण को ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं करनी चाहिए, जिससे किसान यहां हो रहे विकास में असहयोग करने के लिए आगे आ जाएं। किसानों की इस पंचायत में क्षेत्र के किसानों ने चार मांगों से संबंधित एक मांग भी जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह को सौंपा, जो सन 2009 में अधिगृहित की गई जमीनों, 07 प्रतिशत आबादी के भूखंड, 64.70 अतिरिक्त प्रतिकार, बैकलीज और पुरानी आबादियों से संबंधित है।

भट्टा पारसौल में आयोजित किसानों की पंचायत में उपस्थित किसान अनूप सिंह ने कहा कि हम उसी भट्टा पारसौल के किसान हैं, जिन्होंने पूरे जनपद के भूमि अधिग्रहण पर ब्रेक लगाया था। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारी, यह कतई न समझे कि दोबारा भूमि अधिग्रहण पर ब्रेक नहीं लगाया जा सकता। अगर आगामी 15 दिवस में किसानों की समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो, प्राधिकरण की विकास की योजनाएं बाधित होंगी, जिसकी जिम्मेदारी प्राधिकरण की होगी। इस मौके पर करौली बांगर के किसान अमरपाल सिंह ने कहा कि यहां के किसानों ने आगे बढ़कर नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं के विकास के लिए अपनी जमीन दीं, लेकिन प्राधिकरण में बैठे अधिकारी, किसानों से झूठे वायदे करते हैं और विकास के नाम पर हमें ठगते हैं और फिर हमें विकास की दौड़ से बाहर करते हैं, जो अब नहीं चलेगा।

चिंतन-मनन

अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं। पिता ने पूछा, क्यों? कन्या बोली, पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक ऐसा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है।

कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है।

प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अर्हम् में बदलना। अहं और अर्हम् में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अर्हम् बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम् पर ऊर्ध्व र लगे, ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

सम्पादकीय

पाकिस्तान पर वार या इंतजार? पहलगाम हमले के बाद निर्णायक कार्रवाई की...

पहलगाम हमले को एक हफ्ते से अधिक समय गुजर चुका। इसे लेकर लोगों का गुस्सा अभी शांत नहीं हुआ है। हालांकि आतंकवाद और उसे पोसने वाले पाकिस्तान पर नकेल कसने के लिए सरकार ने कई कड़े कदम उठाए हैं। घाटी में सुरक्षा इंतजाम बढ़ा दिए गए हैं। सुरक्षा बलों को जवाबी कार्रवाई की खुली छूट दे दी गई है। जम्मू- कश्मीर सरकार भी सुरक्षा को लेकर सतर्क है। उसने पचास पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया है, और ऐसे स्थलों की पहचान की जा रही है, जहां सैलानियों के लिए खतरा हो सकता है। मगर, फिर भी जन-दबाव बना हुआ है कि पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त निर्णय करने का वक्त है।

मगर सरकार कोई भी कदम हड़बड़ी या उत्तेजना में नहीं उठाना चाहती है। सुरक्षा एजंसियों, सेना प्रमुखों और रणनीतिकारों के साथ लगातार बैठकों का दौर चल रहा है। सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति की बैठकें हो चुकी हैं। सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार परिषद को पुनर्गठित कर दिया है। इसलिए पाकिस्तान को आशंका है कि भारत उस पर कभी भी हमला कर सकता है। मगर भारत सरकार इसे लेकर सावधानी बरत रही है, तो उसकी वजहें भी समझी जा सकती हैं।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जम्मू- कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के पीछे पाकिस्तान का हाथ है, उसे कड़ा सबक सिखाया ही जाना चाहिए, मगर इसका तरीका क्या हो, यह जटिल विषय है। यों तो युद्ध किसी भी मसले का हल नहीं हो सकता, पर पाकिस्तान के मामले में इसे लेकर अधिक गंभीरता से विचार करने की जरूरत पड़ती है। असल मुद्दा आतंकवाद को समाप्त करना है। वह युद्ध के बाद समाप्त हो जाएगा, इसका दावा नहीं किया जा सकता।

फिर, भारत हमेशा से युद्ध का विरोध और शांति का समर्थन करता रहा है, अगर वही पाकिस्तान के खिलाफ इसकी पहल करता है, तो उस पर सवाल उठेंगे। इसलिए सरकार तमाम पहलुओं पर ठंडे दिमाग से विचार कर रही है। एक शांतिप्रिय राष्ट्र से ऐसे ही व्यवहार की उम्मीद भी की जाती है। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि पहलगाम हमले को लेकर भारत सरकार किसी तरह का ढुलमुल रवैया अख्तियार कर रही है।

पाकिस्तान से निपटने की रणनीति बनाते समय इस हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि वहां सेना और सियासी हुकूमत समांतर सत्ता हैं। वहां की सेना ने सियासी हुकूमत से ऊपर अपनी सत्ता कायम कर रखी है। वही आतंकवाद को पोसती और भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में उसका इस्तेमाल करती है। जबकि पाकिस्तान की माली हालत इस वक्त बहुत बुरी है, आम अवाम दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रही है। मगर पाकिस्तानी सेना का उससे कोई मतलब नहीं है, उसका मकसद केवल अपनी सत्ता कायम रखना है।

छिपी बात नहीं है कि भारत के खिलाफ आतंकवादी हमले करने वाले संगठनों के सरगना वहां सेना के संरक्षण में पनाह पाए हुए हैं। ऐसे में भारत को कोई भी कदम उठाने से पहले इस पहलू पर भी विचार करना पड़ता है कि चोट ऐसी जगह पड़े, जिससे वहां की सेना और खुफिया एजंसी को ज्यादा नुकसान हो। इसी से आतंकवाद पर भी चोट पड़ेगी। पहलगाम हमले के बाद घाटी के लोगों में भी गम और गुस्सा है, दुनिया के बहुत सारे देश पाकिस्तान की निंदा कर चुके हैं। इस तरह भारत के लिए आतंकवाद पर रणनीतिक रूप से चोट करने का अनुकूल वातावरण है।

शादी पाकिस्तान में और नागरिकता भारत की

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश दिया तो एक नया मुद्दा सार्वजनिक हो उठा। भारत की महिलाओं की पाकिस्तान में शादी हुई और वे भारत में रह कर बच्चें पैदा कर रही है। यह मुद्दा तब और जटिल हो जाता है जब इन महिलाओं के बच्चे या पति पाकिस्तानी नागरिकता रखते हैं। इस दौरान, कई ऐसी महिलाएं सामने आईं जिनके पास भारतीय पासपोर्ट था लेकिन उनके पति या बच्चे पाकिस्तानी नागरिक थे। इन मामलों ने यह सवाल उठाया कि क्या ऐसी व्यवस्था भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है।

हम देखे कि भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध हमेशा से तनावपूर्ण रहे हैं। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक कारणों से दोनों देशों के बीच विश्वास की कमी रही है। हाल के दिनों में, एक नया मुद्दा चर्चा में आया है जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक संरचना के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। यह मुद्दा है पाकिस्तान में शादी करने वाली भारतीय महिलाओं का भारत की नागरिकता बनाए रखना। कुछ लोग इसे केवल व्यक्तिगत पसंद या पारिवारिक मामला मान सकते हैं लेकिन गहरे विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि यह मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक एकता और भारत की संप्रभुता पर गंभीर सवाल उठाता है।

भारत का संविधान एकल नागरिकता की व्यवस्था करता है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति एक साथ दो देशों का नागरिक नहीं हो सकता। नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत, भारतीय नागरिकता प्राप्त करने, निर्धारित करने और रद्द करने के नियम स्पष्ट हैं। फिर भी, हाल के वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां भारतीय महिलाएं, जिन्होंने पाकिस्तान में शादी की है, भारत की नागरिकता बनाए रखती हैं। कुछ मामलों में, ऐसी महिलाएं अपने पाकिस्तानी पति और बच्चों के साथ भारत में रह रही हैं या बार-बार भारत-पाकिस्तान के बीच यात्रा कर रही हैं।

पाकिस्तान के साथ भारत का रिश्ता हमेशा से संवेदनशील रहा है। सीमा पर तनाव, आतंकवादी हमले, और जासूसी के मामले दोनों देशों के बीच अविश्वास को बढ़ाते हैं। ऐसे में, भारतीय नागरिकता रखने वाली महिलाएं, जो पाकिस्तानी नागरिकों से विवाहित हैं, संभावित रूप से जासूसी या आतंकवादी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल हो सकती हैं। यह केवल एक आशंका नहीं है, बल्कि हाल के कुछ मामलों ने इस खतरे को उजागर किया है।

उदाहरण के लिए, सीमा हैदर का मामला चर्चा में रहा है। सीमा, जो पाकिस्तान की नागरिक थीं, ने नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया और एक भारतीय नागरिक सचिन मीणा से शादी की। हालांकि सीमा ने दावा किया कि उन्होंने हिंदू धर्म अपना लिया और भारत में रहना चाहती हैं लेकिन उनके अवैध प्रवेश और पाकिस्तानी पृष्ठभूमि ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया। ऐसे मामलों में यह सवाल उठता है कि क्या ऐसी शादियां केवल व्यक्तिगत प्रेम कहानियां हैं, या इनके पीछे कोई सुनियोजित साजिश हो सकती है।

कुछ सोशल मीडिया पोस्ट्स में दावा किया गया है कि ऐसी शादियां भारत में 'स्लीपर सेल' बनाने का हिस्सा हो सकती हैं। हालांकि ये दावे पूरी तरह सत्यापित नहीं हैं लेकिन यह सच है कि भारत की उदार नागरिकता नीतियों का दुरुपयोग संभव है, विशेष रूप से, पाकिस्तान जैसे देश के साथ, जहां आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं. ऐसी शादियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती हैं। भारत का नागरिकता कानून इस तरह के मामलों को संबोधित करने में अपर्याप्त प्रतीत होता है। नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत, यदि कोई भारतीय नागरिक किसी विदेशी से शादी करता है तो उनकी नागरिकता स्वतः रद्द नहीं होती। हालांकि, यदि कोई भारतीय नागरिक किसी अन्य देश की नागरिकता स्वीकार करता है, तो उनकी भारतीय नागरिकता समाप्त हो जाती है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब ऐसी महिलाएं पाकिस्तान की नागरिकता के लिए आवेदन नहीं करतीं और भारत की नागरिकता बनाए रखती हैं।

पाकिस्तान में भी नागरिकता कानून पक्षपाती हैं। वहां, यदि कोई पुरुष विदेशी महिला से शादी करता है तो उस महिला को पाकिस्तानी नागरिकता मिल सकती है लेकिन यदि कोई पाकिस्तानी महिला विदेशी पुरुष से शादी करती है तो उसके पति को नागरिकता नहीं मिलती।

इसके अलावा, भारत में लंबे समय तक रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों को नागरिकता देने की प्रक्रिया भी जटिल है। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), 2019 के तहत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों को नागरिकता दी जा सकती है लेकिन यह प्रावधान मुस्लिम प्रवासियों पर लागू नहीं होता। इससे उन मामलों में भेदभाव का आरोप लगता है, जहां पाकिस्तानी मुस्लिम पुरुष भारतीय महिलाओं से शादी करते हैं। ऐसी शादियां भारत की जनसांख्यिकी को प्रभावित कर सकती हैं। यदि पाकिस्तानी नागरिक भारत में बसने लगते हैं, तो यह दीर्घकालिक रूप से भारत की सामाजिक और राजनीतिक संरचना को बदल सकता है। कुछ लोग इसे 'सांस्कृतिक जिहाद' या ह्लव जिहादह्व के रूप में भी देखते हैं, हालांकि ये शब्द विवादास्पद हैं और इन्हें सावधानी से इस्तेमाल करना चाहिए। इस गंभीर मुद्दे से निपटने के लिए भारत को अपनी नीतियों और कानूनों में सुधार करना होगा। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि यदि कोई भारतीय नागरिक पाकिस्तान जैसे संवेदनशील देश के नागरिक से शादी करता है तो उनकी नागरिकता की समीक्षा की जाएगी। शादी के बाद एक निश्चित अवधि के भीतर विदेशी नागरिकता स्वीकार न करने पर भारतीय नागरिकता रद्द करने का प्रावधान हो सकता है। ऐसी शादियों और संबंधित व्यक्तियों की गतिविधियों पर खुफिया एजेंसियों को कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। विशेष रूप से, सीमा क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों में रहने वाले लोगों की जांच होनी चाहिए।

सामाजिक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए ताकि लोग ऐसी शादियों के संभावित खतरों को समझ सकें। यह विशेष रूप से उन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है जो पाकिस्तान की सीमा से सटे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच नागरिकता और विवाह से संबंधित मुद्दों पर स्पष्ट द्विपक्षीय समझौते होने चाहिए। इससे दोनों देशों के नागरिकों की स्थिति स्पष्ट होगी और दुरुपयोग की संभावना कम होगी। अवैध प्रवेश या संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। सीमा हैदर जैसे मामलों में त्वरित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए।

शादी पाकिस्तान में और नागरिकता भारत की रखने का मुद्दा केवल व्यक्तिगत पसंद का मामला नहीं है; यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक पहचान के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। हालांकि हर मामला साजिश का हिस्सा नहीं हो सकता, लेकिन इसकी संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत को अपनी नागरिकता नीतियों को और सख्त करना होगा, ताकि इस तरह के दुरुपयोग को रोका जा सके। साथ ही, सामाजिक जागरूकता और खुफिया निगरानी को बढ़ाकर इस मुद्दे से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है। यह मुद्दा न केवल भारत की सरकार, बल्कि समाज के हर वर्ग के लिए एक चेतावनी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी उदारता और सहिष्णुता का दुरुपयोग न हो, और हमारा देश सुरक्षित और एकजुट रहे। इस दिशा में त्वरित और प्रभावी कदम उठाना समय की मांग है।

-संदीप सृजन

विश्वः चीन-पाकिस्तान-बांग्लादेश और भारत

गिरीश पांड़े

अभी चीन-पाकिस्तान तथा बांग्लादेश जिस प्रकार से एक साथ आकर अपने संबंधों को नये सिरे से परिभाषित कर रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि इन तीनों देशों का यह संबंध भू-राजनीतिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। यह त्रिकोणीय संबंध तीन देशों के आपसी संबंधों, रणनीतिक सहयोग और क्षेत्रीय समीकरणों को भी दशार्ता है। चीन और पाकिस्तान के बीच दशकों से बहुत मजबूत रणनीतिक, आर्थिक और सैन्य संबंध रहे हैं। चीन-पाकिस्तान इकॉनोमिक कॉरिडोर इसका बड़ा उदाहरण है, जो चीन को अरब सागर से जोड़ता है, और पाकिस्तान को भारी निवेश मिलता है। ग्वादर बंदरगाह और सीपीईसी के अलावा शंघाई सहयोग संगठन में भारत के साथ पाकिस्तान को भी प्रवेश देना और यूएन में पाकिस्तान के पक्ष में बोलना दोनों देशों के बीच की घनिष्ठता का स्पष्ट प्रमाण है।

दूसरी ओर, चीन-बांग्लादेश संबंध देखें तो चीन बांग्लादेश में भी भारी निवेश कर रहा है, खासकर इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी में। बांग्लादेश चीन से हथियार भी खरीदता है, और दोनों के बीच व्यापारिक संबंध भी बढ़ रहे हैं। चीन जहां स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स रणनीति के तहत हिन्द महासागर क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, वहीं बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका जैसे देशों में निवेश करके चीन भारत को ह्यघेरने' की रणनीति भी अपना रहा है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस की 26 से 29 मार्च, 2025 की चीन यात्रा के दौरान द्विपक्षीय बातचीत के साथ ही कई समझौते भी किए गए। दोनों देशों के साझा बयान में बांग्लादेश में तीस्ता प्रोजेक्ट के लिए चीनी कंपनियों को न्यौता दिया गया जबकि पिछले साल जून, 2024 में प्रधानमंत्री शेख हसीना अपनी चीन यात्रा को बीच में ही छोड़ कर बांग्लादेश इस कारण लौट आई थीं कि वे इस प्रोजेक्ट को भारत की ओर से पूरा कराने के हक में थीं।

जहां तक पाकिस्तान-बांग्लादेश के बीच संबंधों का तालुक है, 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम की वजह से ऐतिहासिक रूप से तनावपूर्ण रहे हैं। ढाका-इस्लामाबाद के बीच संबंध तब सबसे खराब स्थिति में थे, जब पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का शासन था, विशेषकर 2010 के बाद जब ढाका ने बांग्लादेश के 1971 के मुक्ति युद्ध के दौरान पाकिस्तानी सैनिकों के कठोर सहयोगियों पर मुकदमा चलाने की शुरू आत की। हालांकि, अगस्त, 2024 में शेख हसीना के सत्ताच्युत होने के बाद से दोनों देशों के बीच रिश्तों में सुधार की सुगबुगाहट देखने को मिल रही है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की पाकिस्तान तक पहुंच अब आगे बढ़ रही है। बांग्लादेश ने इस्लामाबाद से 50,000 टन चावल आयात किया है. सीधी उड़ानें फिर से शुरू कर दी हैं। इसके साथ ही संयुक्त समुद्री अभ्यासों में भागीदारी सहित सैन्य संपर्क बढ़ा दिए हैं।

इस तरह से पाकिस्तान के साथ जुड़े ऐतिहासिक तनाव और सुरक्षा हितों को देखते हुए भारत में चिंताएं बढ़ा दी हैं। पाकिस्तान की आईएसआई के सदस्यों की बढ़ती यात्राओं और पाकिस्तान द्वारा बांग्लादेश की सेना को दिए जाने वाले प्रशिक्षण में भारत विरोधी और इस्लाम समर्थक विचारधाराएं शामिल होने से भी दिल्ली की सुरक्षा चिंताएं बढ़ रही हैं।

इसमें भी दो राय नहीं कि चीन और पाकिस्तान, दोनों भारत के रणनीतिक विरोधी हैं। बांग्लादेश इन दोनों के करीब आता है, तो इससे भारत के लिए दक्षिण एशिया में रणनीतिक दबाव बढ़ सकता है। इसलिए भारत बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की उम्मीद करता है। बांग्लादेश के साथ रिश्तों में भारत के लिए राजनीतिक और रणनीतिक, दोनों ही तरह की चुनौतियां सामने आ रही हैं। रही-सही कसर बांग्लादेश में पाकिस्तान और चीन की सक्रियता ने पूरी कर दी है। बांग्लादेश का जो रवैया अभी हम देख रहे हैं, उससे वहां लोकतांत्रिक तरीके से चुनी सरकार के सत्ता में आने की संभावना दूर-दूर तक नजर नहीं आती। ऐसी स्थिति में उसकी जमीन का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए किए जाने की संभावना से भी इंकार नहीं कर सकते। भारत और बांग्लादेश के बीच कनेक्टिविटी कम होने से बांग्लादेश-भूटान-नेपाल गलियारे का कामकाज भी पटरी से उतर सकता है, जो 2021 के बाद जोर पकड़ने लगा है। भारत-बांग्लादेश के बीच तनातनी दक्षिण एशिया के लिए भी अच्छी नहीं है।

राशि फलादेश

मेष

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। समय नेष्ट है।

वृषभ

पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें।

मिथुन

प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। संचित कोष में वृद्धि होगी।

कर्क

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। भय रहेगा।

सिंह

पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है। कुसंगति से हानि होगी।

कन्या

पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

तुला

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। शत्रु परास्त होंगे।

वृश्चिक

शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

धनु

यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लाभ बढ़ेगा।

मकर

कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी।

कुंभ

नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी। ऐश्वर्य पर व्यय हो सकता है।

मीन

पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

वर्ष 2025 के त्योहार

जनवरी
1 जनवरी - न्यू ईयर
6 जनवरी - गुरु गोबिंद सिंह जयंती
13 जनवरी - महाकुंभ शुरू, लोहड़ी
14 जनवरी - मकर संक्रांति, पोंगल, उत्तरायण
26 जनवरी - गणतंत्र दिवस

फरवरी
2 फरवरी - बसंत पंचमी
12 फरवरी - कुंभ संक्रांति
26 फरवरी - महाशिवरात्रि

मार्च
2 मार्च - रमजान
13 मार्च - होलिका दहन
14 मार्च - होली
19 मार्च - रंग पंचमी
30 मार्च - चैत्र नवरात्रि, गुड़ी पड़वा
31 मार्च - ईद-उल-फितर

अप्रैल
6 अप्रैल - राम नवमी
12 अप्रैल - हनुमान जयंती
13 अप्रैल - वैशाखी
15 अप्रैल - बिहू
18 अप्रैल - गुड फ्राइडे
20 अप्रैल - ईस्टर
30 अप्रैल - अक्षय तृतीया

मई
12 मई - बुद्ध पूर्णिमा

जून
5 जून - गंगा दशहरा
7 जून - बकरीद
27 जून - जगन्नाथ रथ यात्रा

जुलाई
6 जुलाई - देवशयनी एकादशी, मोहर्रम
10 जुलाई - गुरु पूर्णिमा व्रत
24 जुलाई - हरियाली अमावस्या
27 जुलाई - हरियाली तीज
29 जुलाई - नाग पंचमी

अगस्त
9 अगस्त - रक्षाबंधन
15 अगस्त - जन्माष्टमी, स्वतंत्रता दिवस
23 अगस्त - भाद्रपद अमावस्या, पोला
26 अगस्त - हरतालिका तीज
27 अगस्त - गणेश चतुर्थी

सितंबर
5 सितंबर - ईद-ए-मिलन/ओनम
6 सितंबर - अनंत चतुर्दशी
8 सितंबर - पितृ पक्ष शुरू
21 सितंबर - सर्व पितृ अमावस्या
22 सितंबर - शारदीय नवरात्रि शुरू

अक्टूबर
1 अक्टूबर - दुर्गा महानवमी पूजा
2 अक्टूबर - दशहरा, विजयादशमी गांधी जयंती
6 अक्टूबर - शरद पूर्णिमा
10 अक्टूबर - करवा चौथ
18 अक्टूबर - धनतेरस
20 अक्टूबर - नरक चतुर्दशी, लक्ष्मी पूजा, दिवाली
21 अक्टूबर - कार्तिक अमावस्या
22 अक्टूबर - गोवर्धन पूजा
23 अक्टूबर - भाई दूज
27 अक्टूबर - छठ पूजा

नवंबर
1 नवंबर - देवउठनी एकादशी
2 नवंबर - तुलसी विवाह
5 नवंबर - देव दिवाली, गुरु नानक जयंती

दिसंबर
25 दिसंबर - क्रिसमस डे

आईपीएल में सनराइजर्स पर जीत के इरादे से उतरेगी कैपिटल्स

हैदराबाद (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम सोमवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत हासिल कर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने के इरादे से उतरेगी। कैपिटल्स को पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। जिससे उसके विजय अभियान को झटका लगा था। दिल्ली कैपिटल्स की टीम अभी 10 मैच में 12 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। वहीं सनराइजर्स की टीम नौवें स्थान पर है, ऐसे में इस मैच में दिल्ली का पलड़ा भारी नजर आता है।

इस मैच में दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल का खेलना संदिग्ध है। अक्षर को पिछले मैच में केकेआर के खिलाफ बाएं हाथ में चोट लग गयी थी। थे। अक्षर ने पिछले मैच में 23 गेंद में 43 रन बनाये थे। ऐसे में अक्षर इस मैच में नहीं खेलते या मैच में उनकी भूमिका सीमित होती है तो इससे टीम के प्रदर्शन पर असर पड़ेगा। टीम को अपने पिछले दो मैच में घरेलू मैदान पर केकेआर और आरसीबी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली की टीम अपने पिछले पांच में से तीन मुकाबले हारी है ऐसे में उसके लिए इस मैच में बड़ी जीत दर्ज करना जरुरी है।

उनके लिए राहत की बात ये है कि अनुभी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसी फॉर्म में आ गये हैं। टीम की बल्लेबाजी के आधार के एल राहुल रहेंगे। राहुल ने अब तक नौ मैच में 371 रन बनाये हैं। इस मैच में दिल्ली के बल्लेबाजों के लिए हैदराबाद के तेज गेंदबाजों पैट कमिंस, मोहम्मद शमी के अलावा हर्षल पटेल का सामना करन आसान नहीं होगा। वहीं उसके बल्लेबा अभिषेक पोरेल भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

दिल्ली के पास ऑलराउंडर के तौर पर विपराज निगम है। निगल अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाने में सक्षम हैं। वहीं दिल्ली की गेंदबाजी की कमान तेज गेंदबाजों मिचेल स्टार्क और दुष्मंता चमीरा के अलावा मुकेश कुमार जैसे अनुभवी गेंदबाजों के पास है।

वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स की टीम की

प्लेफऑफ की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी है। टीम की ताकत बल्लेबाजी है पर इस सत्र में उसके बल्लेबाज विफल रहे हैं। ट्रविस है और अभिषेक शर्मा के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है, हेनरिक क्लासेन भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं।

वहीं गेंदबाज मो शमी, ट्रेविस हेड, इशान किशन, और जयदेव उनादकट भी प्रभावित नहीं कर पाये है। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में सनराइजर्स के जीतने की संभावनाएं बेहद कम हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद = पैट कमिंस (कप्तान), इशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायडे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिक क्लासेन, ट्रेविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंदु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, और इशान मलिंगा।

दिल्ली कैपिटल्स = अक्षर पटेल (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेश राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिजवी, दर्शन नालकंडे, डोनोवन फरेरा, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

आईपीएल में रियान पराग ने रचा इतिहास, 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ छह छक्के लगाकर इतिहास बना दिया। वह आईपीएल में यह कारनामा करने वाले पहले बल्लेबाज हैं। 207 रनों के असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए रियान ने 8वें ओवर में राजस्थान के 72/5 पर गिरने के बाद, पराग ने अकेले ही रॉयल्स को प्रतियोगिता में वापस लाने का बीड़ा उठाया, उन्होंने खेल के 13वें ओवर में मोईन अली के खिलाफ तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की। मोईन अली को लगातार पांच गेंदों पर छक्का मारने के बाद अगले ओवर की पहली गेंद पर उन्होंने स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को छक्का लगाकर यह रिकॉर्ड बना दिया।

पराग ने क्रिस गेल, राहुल तेवतिया और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों की बराबरी की, जिन्होंने आईपीएल में एक मैच के एक ओवर में 5 छक्के लगाए हैं। आरआर के कप्तान 17वें ओवर की चौथी गेंद पर 95 रन बनाकर आउट हो गए। यह आईपीएल में उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर था।

आईपीएल में एक ओवर में 5 छक्के लगाना

क्रिस गेल बनाम राहुल शर्मा, 2012

राहुल तेवतिया बनाम एस कॉटरेल, 2020

रवींद्र जडेजा बनाम हर्षल पटेल, 2021

रिंकू सिंह बनाम यश दयाल, 2023

रियान पराग बनाम मोईन अली, 2025*

ऐसा पहली बार नहीं हुआ

इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में किसी ने भी एक ओवर में 6 छक्के नहीं लगाए हैं। हालांकि, टी20 में तीन बल्लेबाजों ने लगातार 2 गेंदों पर 6 छक्के लगाए हैं। दीपेंद्र सिंह ऐरी, कीरोन पोलार्ड और युवराज सिंह ने यह जादुई उपलब्धि हासिल की है। नेपाल के ऐरी ने कतर और मंगोलिया के खिलाफ दो अलग-अलग मौकों पर ऐसा किया है, जबकि पोलार्ड ने 2021 में अपने करियर के आखिरी दौर में श्रीलंका के खिलाफ खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की थी और युवराज सिंह ने टी20 विश्व कप 2007 में स्टुअर्ट ब्रॉड की छह गेंदों पर छह छक्के लगाए थे।

एशिया कप से पाकिस्तान को किया जा सकता है बाहर : गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के कारण पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एशिया कप से बार कर दिया जाना तय है। एशिया कप की मेजबानी भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) कर रहा है और ऐसे में वह किसी भी हालत में पाक शामिल करना नहीं चाहेगा। गावस्कर ने यहां तक कहा कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) को भी भंग किया जा सकता है।

गावस्कर ने कहा कि बीसीसीआई सरकार के अनुसार चलती है और अभी सरकार पाक से किसी प्रकार के संपर्क के पक्ष में नहीं है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार अगर सरकार पाक से क्रिकेट संबंध नहीं चाहती, तो बीसीसीआई उसपर अमल करेगी। एशिया की मेजबानी सितंबर में भारत और श्रीलंका संयुक्त रुप से करेंगे।

गावस्कर ने यह भी कहा कि अगर हालात और खराब होते हैं ता बीसीसीआई एसीसी से भी अलग हो सकता है और बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान जैसे देशों के साथ अलग टूर्नामेंट आयोजित कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट भारत, श्रीलंका या बांग्लादेश में कराया जा सकता है और भारत इसकी मेजबानी करेगा। उन्होंने ये भी कहा कि अगर दो देश एक-दूसरे से दुश्मनी की स्थिति में हों, तो उनके बीच क्रिकेट खेला जाना संभव नहीं है। भारतीय टीम ने इससे पहलेचैंपियंस ट्रॉफी में भी पाकिस्तान का दौरा न करते हुए तटस्थ स्थल पर अपने मैच खेले थे।

सांसे रोक देने वाले मैच में कोलकाता ने राजस्थान रॉयल्स को 1 रन से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को महज 1 रन से हरा दिया। सांसें रोक देने वाले मैच में राजस्थान रॉयल्स को फिर से हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले को जीतकर कोलकाता ने 11 अंक हासिल कर लिए हैं और टीम छठे पायदान पर पहुंच गई।

केकेआर की टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 206 रन बनाए। जिसके जवाब में राजस्थान रॉयल्स 205 रन ही बना पाई। आखिरी ओवर में 22 रन चाहिए थे, लेकिन 20 रन वैभव अरोड़ा ने खर्च कर दिए। आखिरी गेंद पर जीत के लिए 3 और टाई के लिए दो रन की जरूरत थी, लेकिन दूसरे रन पर जोफ्रा आर्चर रन आउट हो गए। आंद्रे रसेल ने इस मैच में 57 रनों की तूफानी पारी खेली थी। वहीं रियान पराग 95 रन बनाकर आउट हो गए थे।

वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल्स की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 71 रन के स्कोर पर पांच विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद रियान पराग ने शिमरॉन हेटमायर के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की और टीम को मुश्किल से उबारा। रियान ने इस दौरान मोईन अली के ओवर पर लगातार पांच छक्के जड़े। इस साझेदारी को हर्षित राणा ने हेटमायर को आउट कर तोड़ा जो 29 रन बनाकर आउट हुए। इसके कुछ देर बाद हर्षित ने रियान को भी अपना शिकार बनाया। रियान शतक पूरा नहीं कर सके और 95 रन बनाकर पवेलियन लौट

गए। इस जीत के साथ ही केकेआर के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी बरकरार हैं। केकेआर ने 11 मैचों में पांच जीत, पांच हार और एक बेनतीजा के साथ 11 अंक हैं और वह अंक तालिका में छठे स्थान पर है। दूसरी ओर, पहले ही अंतिम चार की दौड़ से बाहर हो चुकी राजस्थान रॉयल्स की टीम आठवें स्थान पर है। राजस्थान ने 12 मैचों में तीन में जीत दर्ज की और उसे 9 मुकाबलों में हार झेलनी पड़ी।

इंग्लैंड में नहीं स्कॉटलैंड में हुआ फुटबॉल का जन्म

स्कॉटलैंड। दुनिया भर में लोकप्रिय खेल फुटबॉल को लेकर अब तक धारणा थी कि इसका जन्म इंग्लैंड में हुआ था, लेकिन नई ऐतिहासिक खोज ने अवधारणा को बदल दिया है। वैज्ञानिकों और इतिहासकारों की टीम ने स्कॉटलैंड में ऐसा प्रमाण खोजा है, जिससे साबित होता है कि फुटबॉल की शुरुआत दरअसल इंग्लैंड में नहीं, बल्कि स्कॉटलैंड में हुई थी। यह खोज न सिर्फ फुटबॉल प्रेमियों के लिए रोमांचक है, बल्कि दो सदी पुराने खेल इतिहास में भी एक बड़ा बदलाव लेकर आई है। ऐतिहासिक खोज का नेतृत्व कर रहे खेल इतिहासकार गेड ओ ब्रायन ने बताया कि उन्होंने स्कॉटलैंड के एन्वॉथ इलाके के पास एक पुराने फार्म मॉसरॉबिन में ऐसी जमीन खोजी, जो कि दुनिया की पहली फुटबॉल पिच हो सकती है। यह मैदान 17वीं सदी का है, जब वहां के लोग नियमित रूप से फुटबॉल खेला करते थे। इस पिच का जिक्र सबसे पहले रेवरेंड सैमुअल रदरफोर्ड द्वारा 1627 से 1638 के बीच लिखे गए एक खत में मिलता है। उस पत्र में उन्होंने स्थानीय लोगों के खेल से नाराजगी जताकर खेल पर प्रतिबंध लगाने के लिए मैदान में पत्थरों की कतार लगाने का आदेश दिया था।

गुजराती-मराठी को लेकर बहस में अक्षयदीप ने कर दिया शिवाजी का अपमान

-लोग हो गए नाराज, पकड़कर की पिटाई फिर कर दिया पुलिस के हवाले

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर में एक व्हॉट्सऐप ग्रुप में छत्रपति शिवाजी महाराज के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर एक व्यक्ति की लोगों ने जमकर पिटाई कर दी और बाद ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि घटना 28 अप्रैल को नालासोपारा पूर्व के विजय नगर इलाके में एक आवासीय सोसाइटी की है जहां आरोपी अक्षयदीप भरत कुमार विसवाडिया को शिवाजी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर पीटा गया। पुलिस के मुताबिक गुजराती और मराठी पहचान को लेकर एक व्हॉट्सऐप ग्रुप पर तीखी बहस हो रही थी और इसी दौरान आरोपी अक्षयदीप ने शिवाजी महाराज के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां कर दी। इससे नाराज लोगों ने अक्षयदीप को घेर लिया और उससे मारपीट करने के बाद उसे पुलिस को सौंप दिया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें व्यक्ति की पिटाई होते दिखाया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी अक्षयदीप विसवाडिया के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से शांति भंग करने के तहत मामला दर्ज किया है।

उल्लू ऐप ने 'हाउस अरेस्ट' शो के सभी एपिसोड हटाए, मांगी माफी

मुंबई (एजेंसी)। डिजिटल प्लेटफॉर्म उल्लू ऐप पर प्रसारित 'हाउस अरेस्ट' शो को लेकर इसका विरोध हो रहा है। इस मामले में होस्ट और निर्माताओं को समन भी जारी हो चुका है। उल्लू ऐप ने शो के सारे एपिसोड हटाने के बाद माफी मांगी है। उल्लू ऐप पर 'हाउस अरेस्ट' शो को लेकर हिंदू संगठन ने शिकायत दर्ज कराई थी। मामले को गर्माता देख उल्लू ऐप ने हाउस अरेस्ट के सभी शो हटा दिए हैं। उल्लू ऐप ने माफी मांगते हुए लिखा कि शो के सभी एपिसोड 3-4 दिन पहले हटा दिए गए थे। यह रिलीज आंतरिक टीम की अनदेखी और लापरवाही का परिणाम थी, जिसे हम स्वीकार करते हैं। कानून का पालन करने वाली संस्था के रूप में हम शो के रिलीज से हुई किसी भी असुविधा के लिए माफी मांगते हैं। धार्मिक भावनाओं को आहत करने और महिलाओं के अश्लील चित्रण के आरोप के साथ हिंदू संगठन की शिकायत पर मुंबई पुलिस ने प्रोड्यूसर राजकुमार पांडे और होस्ट एजाज खान के खिलाफ 2 मई को एफआईआर दर्ज की थी। हिंदू संगठन का आरोप है कि प्रोड्यूसर और होस्ट ने मिलीभगत करके ऐसा कंटेंट तैयार किया जो महिलाओं का अपमान करता है और समाज में गलत मैसेज देता है। उन्होंने एक लिखित आवेदन देकर 'हाउस अरेस्ट' सीरीज को बंद करने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की थी।

हम उनके जैसे क्रूर नहीं हैं, हम उन्हे नहीं मारेंगे: फारुख अब्दुल्ला

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला ने सिंधु जल संधि का जिक्र करते हुए एक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली ने भले ही इस्लामाबाद को पानी बंद करने की चेतावनी दी हो लेकिन हमारा इरादा कभी भी पाकिस्तानी आम जनता को नुकसान पहुंचाने का या उनकी जान लेना का नहीं होता। उन्होंने भारत को गांधी का देश बताया। उन्होंने कहा, भारत, गांधी का देश है, हमने उन्हें धमकी दी है कि हम सिंधु का पानी रोक देंगे, लेकिन हम उन्हें मारेंगे नहीं। हम उनके जैसे क्रूर नहीं है।

फारुख अब्दुल्ला ने पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के बयान को नजरअंदाज करते हुए कहा कि ऐसे बयानों को अहमियत नहीं देनी चाहिए क्योंकि अगर हम इन्हें अहमियत देंगे तो कभी भी आगे नहीं बढ़ पाएंगे। मैं यह काफी लंबे समय से कहता आया हूं कि सिंधु जल संधि पर फिर से बात होनी चाहिए.. यह नदियां हमारी हैं और हम ही पानी के लिए परेशान रहते हैं। उन्होंने कहा, जो भी लोग घाटी में और पर्यटकों के मन में डर फैलाना चाहते थे वह हार गए हैं। आतंकवादी हार गए हैं। आज यह तय हो गया है

कि आम जनता के मन में कोई डर नहीं है। स्थानीय लोग भी चाहते हैं कि अब आतंकवाद को खत्म हो जाना चाहिए। 35 साल हो गए.. 35 साल से यहां दहशत गर्दी है..अब हम विकास चाहते हैं.. हम आगे बढ़ना चाहते हैं.. किसी दिन एक बड़ी शक्ति बनना चाहते हैं।

पूर्व सरकारों पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि जब भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि की जा रही थी, उस वक्त कश्मीर के लोगों को विश्वास में नहीं लिया गया था। इस संधि से सबसे ज्यादा नुकसान जम्मू-कश्मीर के लोगों का ही हुआ है। एनसी के चीफ ने सरकार सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए अपील की कि अब सरकार को यह पानी को जम्मू के लोगों तक पहुंचाने की व्यवस्था करनी चाहिए। इतना ही नहीं फारुख अब्दुल्ला शनिवार को घाटी में आए पर्यटकों से भी मिलने पहुंचे। पर्यटकों से मिलने के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुए हमले के बाद भी घाटी में पर्यटकों की आती भीड़ इस बात का सबूत है कि हमारे लोग डरे नहीं है।

नहीं मान रहा पाकिस्तान लगातार दसवें दिन भी कर दी सीमा पर फायरिंग, भारत ने दिया जवाब

जम्मू (एजेंसी)। पाकिस्तान आर्मी लगातार सीमा पर गोलीबारी कर रही है। दसवें दिन भी यह सीजफायर का उल्लंघन जारी रहा। भारतीय सेना के मुताबिक 3 और 4 मई की आधी रात में पाकिस्तान की तरफ से बिना किसी वजह के ही छोटे हथियारों से गोलीबारी की गई। पिछले दस दिनों में पाकिस्तान आर्मी की तरफ से किया गया यह संभावित सबसे बड़ा सीजफायर उल्लंघन था, जिसमें एक साथ कई पाकिस्तानी चौकियों ने हिस्सा लिया।

बता दें कि भारत और पाकिस्तान द्वारा संघर्ष विराम समझौते को 25 फरवरी 2021 को आगे बढ़ाया गया था। इसके बाद एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गोलीबारी की घटनाएं बहुत कम हो गई थी। पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित किए जाने के कुछ घंटों बाद 24 अप्रैल की रात से पाकिस्तानी सैनिक एलओसी पर विभिन्न स्थानों पर बिना उकसावे के गोलीबारी कर रहे हैं। भारतीय सेना के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, पुंछ, राजौरी, मेंढर, नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर के सामने स्थित एलओसी पर बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की गई। हमारी तरफ से भी इस सैनिकों ने इस अकारण गोलीबारी का उचित और संतुलित जवाब दिया। हालांकि हल्के हथियारों से की गई इस गोलीबारी की वजह से किसी के हताहत या घायल होने की जानकारी नहीं है। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा और बारामूला जिलों में एलओसी के पास कई चौकियों पर बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी शुरू करने के बाद, पाकिस्तानी सैनिकों ने पुंछ सेक्टर और फिर जम्मू क्षेत्र के अखनूर सेक्टर में भी संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। इसके बाद राजौरी जिले के सुंदरबनी और नौशेरा सेक्टर में एलओसी के पास कई चौकियों पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की गई। पुंछ जिले के मेंढर और जम्मू जिले के परगवाल सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भी गोलीबारी की गई। भारत और पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों (डीजीएमओ) के बीच हाल में 'हॉटलाइन' पर बातचीत हुई थी। ऐसा बताया गया है कि इस दौरान भारत ने पाकिस्तान की ओर से बिना उकसावे के की जा रही गोलीबारी को लेकर उसे चेतावनी दी थी।

यूरोपीय संघ की एक-एक चाल को समझ गए विदेश मंत्री जयशंकर, सच हुई भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूरोपीय संघ की एक-एक चाल को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर समझ गए हैं। उनकी एक-एक भविष्यवाणी सच हो रही है। यूरोपीय संघ की टिप्पणी के बाद भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर का दो साल पहले दिया गया बयान फिर से वायरल हो गया है, जिसमें उन्होंने यूरोप का आईना दिखाया था। विदेश मामले और सुरक्षा नीति पर यूरोपीय संघ की उच्च प्रतिनिधि काजा कल्लास ने गुरुवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार से बात की थी।

भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने दो साल पहले ही यूरोप को उसकी असली चेहरा दिखाया था। जून 2022 में स्लोवाकिया में एक सम्मेलन में जयशंकर ने कहा था कि यूरोप को इस मानसिकता से बाहर निकलना होगा कि उसकी समस्याएं पूरी दुनिया की समस्याएं हैं, लेकिन दुनिया की समस्या, यूरोप की समस्या नहीं है। संघ एक तरफ वह यूक्रेन में चल रहे युद्ध के लिए रूस के खिलाफ लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए है। और यूक्रेन को हथियार देकर उसकी मदद भी कर रहा है। इसी तरह पहलगाम हमले के बाद यूरोप ने भारत को शांति का ज्ञान दिया है। यूरोपीय संघ की उपाध्यक्ष और संघ की विदेश मामलों की उच्च प्रतिनिधि काजा कल्लास ने भारत को पाकिस्तान के साथ बातचीत की सलाह दी है।

कल्लास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ता तनाव चिंताजनक है। मैं दोनों पक्षों से संयम बरतने और स्थिति को बेहतर बनाने के लिए बातचीत का आग्रह करती हूं। तनाव बढ़ाने से किसी कोई फायदा नहीं होता। मैंने आज डॉ जयशंकर और इशाक डार से बात करके ये संदेश दिए। ऐसे समय में जब यूरोपीय संघ को पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया चाहिए और उसे आतंकवादियों पर कार्रवाई के लिए दबाव बनाना चाहिए, वह भारत को शांति का ज्ञान दे रहा है।

दरअसल, उस समय भारत पर यूक्रेन युद्ध में रूस का विरोध करने को लेकर दबाव बनाने की कोशिश हो रही थी, लेकिन भारत ने इससे इनकार कर दिया था। जयशंकर ने यूरोप के उस विचार को खारिज कर दिया कि यूक्रेन पर भारत के रुख के कारण उसे चीन के साथ समस्या बढ़ने पर वैश्विक समर्थन हासिल करने में परेशानी आ सकती है। चीन के साथ जुड़े सवाल पर जयशंकर ने कहा था कि आज इस बारे में एक कड़ी बनाई जा रही है। चीन और भारत तथा यूक्रेन के घटनाक्रम में संबंध जोड़े जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चीन और भारत के बीच जो कुछ हुआ है, वह यूक्रेन से काफी पहले हुआ। जयशंकर ने कहा कि हमारे चीन के साथ संबंध असहज हैं और हम इनके प्रबंधन में पूरी तरह से सक्षम हैं। अगर इस बारे में वैश्विक समर्थन मिलेगा, तब स्वाभाविक रूप से मदद मिलेगी। लेकिन यह यह विचार कि मैं एक संघर्ष में शामिल में हो जाऊं क्योंकि इससे मुझे दूसरे संघर्ष में मदद मिलेगी।

इस दिन से आवारापन 2 की शूटिंग शुरू करेंगे इमरान हाशमी, स्क्रिप्ट के बारे में किया खुलासा

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों अपनी फिल्म ग्राउंड जीरो को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जो 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। वहीं, इस बीच अब अभिनेता की नई फिल्म के बारे में जानकारी सामने आई है। जब इमरान हाशमी ने मार्च में अपने जन्मदिन पर आवारापन के सीक्वल का खुलासा किया तो प्रशंसक रोमांचित हो गए। इमरान ने अब नए इंटरव्यू में अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग के बारे में जानकारी दी।

फिल्म की घोषणा

इस साल की शुरुआत में सीक्वल की घोषणा करते हुए, इमरान ने 2007 की फिल्म से अपने किरदार की एक पुरानी क्लिप शेयर की थी, जिसमें वह नाव पर खड़े होकर शहर के क्षितिज के पीछे सूर्यास्त को निहार रहे थे। मशहूर गाने तेरा मेरा रिश्ता के साथ यह वीडियो तुरंत वायरल हो गया, जिसने पुराने प्रशंसकों के बीच भावनाओं को जगा दिया।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

इमरान नेइंटरव्यू में कहा कि क्रू जुलाई के अंत में शूटिंग शुरू कर देगा। प्रशंसकों के पास आगे देखने के लिए बहुत कुछ होगा, क्योंकि उन्होंने यह भी पुष्टि की कि सीक्वल 3 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। बॉक्स ऑफिस पर शुरूआती दौर में मामूली प्रदर्शन के बावजूद इमरान हाशमी और श्रिया सरन अभिनीत फिल्म आवारापन ने समय के साथ-साथ दर्शकों का खूब ध्यान आकर्षित किया और यह फिल्म दर्शकों के बीच पसंदीदा फिल्म बन गई।

कई साल से चल रहा था फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम

इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कई वर्षों तक टीम के साथ आवारापन 2 की स्क्रिप्ट पर काम करने के बारे में भी बताया। अभिनेता ने कहा, हम लगभग दो सालों से सीक्वल की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। हम सिर्फ इसके लिए सीक्वल नहीं बनाना चाहते थे। ऐसा हुआ कि हमने इस साल उस स्क्रिप्ट पर काम पूरा कर लिया। कल्पना कीजिए कि सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद फिल्म को किस तरह का आकर्षण मिला होगा।

अब अल्लू अर्जुन के साथ रोमांस करेंगी मृणाल ठाकुर

एक फिल्म जिसका पूरे देश को बेसब्री से इंतजार है, वह है अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म जिसे एटली द्वारा निर्देशित किया जाएगा। इस फिल्म की घोषणा कुछ दिनों पहले अभिनेता के जन्मदिन पर की गई थी। फिल्म से जुड़ी जानकारियां पाने के लिए फैंस भी काफी उत्साहित रहते हैं। वहीं, अब खबर है कि फिल्म के लिए मुख्य नायिका को चुन लिया गया है।

मृणाल ठाकुर होंगी फिल्म का हिस्सा

एटली की फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ अभिनेत्री मृणाल ठाकुर नजर आएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, लीड फीमेल रोल के लिए मृणाल को चुना गया है। रिपोर्ट के अनुसार, वह इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ रोमांस करती नजर आएंगी और अभिनेत्री ने गुरुवार को मुंबई में लुक टेस्ट दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिल्म में उनका लुक उनकी पिछली साउथ फिल्मों से अलग होगा।

कई अभिनेत्रियों पर चर्चाएं जारी

मृणाल ही नहीं, फिल्म में अन्य महिला प्रधान भूमिकाएं भी होंगी। कथित तौर पर जान्हवी कपूर और दीपिका पादुकोण को भी फिल्म के लिए चुना जा रहा है और दीपिका एटली के निर्देशन में बनने वाली फिल्म को साइन करने के बहुत करीब हैं। इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि मेकर्स प्रियंका चोपड़ा, श्रद्धा कपूर, सामंथा रुथ प्रभु, दिशा पटानी और जान्हवी कपूर पर विचार कर रहे हैं और अब मृणाल और दीपिका के नाम की खबरें आई हैं।

आधिकारिक एलान का इंतजार

हालांकि, इन खबरों पर अल्लू अर्जुन या एटली की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। साथ ही अनाम फिल्म की आधिकारिक रिलीज की तारीख भी अभी घोषित नहीं की गई है, लेकिन कथित तौर पर फिल्म 2027 की शुरुआत में बड़े पर्दे पर आएगी। अनाउंसमेंट वीडियो के जरिए संकेत मिला था कि एटली और अल्लू अर्जुन फिल्म के प्री-प्रोडक्शन के लिए अमेरिका गए थे और हॉलीवुड फिल्मों पर काम कर चुके वीएफएक्स एक्सपर्ट्स से मिले थे।

पिता इरफान खान की बायोपिक में काम करने से इसलिए घबरा रहे बाबिल

दिवंगत अभिनेता इरफान खान की गिनती बॉलीवुड के दिग्गज कलाकारों में होती है। उनकी मौत के बाद अब उनके बेटे बाबिल खान फिल्मों में एंट्री कर चुके हैं और लगातार अपने अलग-अलग किरदारों से खुद को इंडस्ट्री में स्थापित करने में लगे हैं। इस बीच बाबिल ने अपने पिता इरफान खान की बायोपिक बनने पर उनकी भूमिका निभाने के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि अगर उन्हें मौका मिलता है तो वो इस भूमिका को निभाएंगे या नहीं। बाबिल खान ने बताया कि अपने पिता की बायोपिक में काम करने का विचार काफी डरावना है। अभिनेता ने कहा, बाबा की भूमिका को पर्दे पर निभाना बेशक बेहद सम्मान की बात है। मैं वास्तव में ऐसा करूंगा। लेकिन अभी मेरे करियर के इस पड़ाव पर यह विचार मेरे लिए बहुत डरावना है। बाबिल की बात करें तो अभिनेता हाल ही में ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'लॉगआउट' में नजर आए थे। इसके अलावा बाबिल ने हाल ही में अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर बताया था कि वो अब एक रोमांटिक-कॉमेडी शो में नजर आएंगे। हालांकि, इसके बारे में उन्होंने ज्यादा जानकारी साझा नहीं की।

इस वजह से अपनी लव लाइफ को सीक्रेट रखना चाहती हैं पलक

अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी का नाम अक्सर सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ जोड़ा जाता है। दोनों की डेटिंग की खबरें बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनी रहती हैं। हालांकि, दोनों ने कभी अपने रिश्ते पर खुलकर कोई बात नहीं की। इस बीच अब अभिनेत्री पलक तिवारी ने कहा कि वो नहीं चाहतीं कि उनकी लव लाइफ चर्चा का केंद्र बने या उसको लेकर चर्चाएं हों।

नहीं चाहती लव लाइफ काम पर हावी हो

अपनी आगामी फिल्म 'भूतनी' के प्रमोशन में जुटीं अभिनेत्री पलक तिवारी ने हाल ही में अपनी लव लाइफ को लेकर बात की। फिल्मफेयर के साथ हालिया बातचीत में पलक ने खुलासा किया कि उन्हें अपनी लव लाइफ के बारे में बात करना क्यों पसंद नहीं है। अभिनेत्री ने कहा, अपने करियर के इस पड़ाव पर मैं नहीं चाहती कि मेरी रोमांटिक लाइफ या मेरी लव लाइफ हावी हो जाए या बातचीत का विषय बने, जब मैं अभी अपना नाम बनाने की कोशिश कर रही हूं। जब कोई व्यक्ति बहुत कुछ करना चाहता है तो यह उसे हेडलाइन तक सीमित कर देता है।

इसलिए रखती हैं चीजों को प्राइवेट

पलक ने आगे कहा, मैं नहीं चाहती कि कोई और उन मामलों पर राय रखे, जिनके बारे में मैं ज्यादा सोचती हूं या जो मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण हैं, जैसे कि रिश्ता। इसलिए मैं चीजों को निजी रखना पसंद करती हूं। पलक तिवारी जल्द ही फिल्म 'द भूतनी' में नजर आएंगी। ये फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त, मौनी रॉय, सनी सिंह, आसिफ खान और निक भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस हॉरर कॉमेडी को सिद्धांत सचदेव ने लिखा और निर्देशित किया है।

इस फिल्म के कायल हैं 'हिट 3' के चर्चित अभिनेता नानी

नानी अभिनीत फिल्म हिट 3 का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है, जिसके लिए फिल्म की एंडवास्ड बुकिंग सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका में भी शुरू हो गई है। फिल्म के सभी कलाकार और निर्माता इसके प्रमोशन में जोरों-शोरों से लगे हुए हैं। अब एक्टर नानी ने अपने जीवन की सबसे धाकड़ फिल्म का जिक्र किया है। आइए जानते हैं अभिनेता की पसंदीदा फिल्म।

पसंदीदा फिल्म को लेकर हुआ सवाल

सैलेश कोलानू के निर्देशन में बनी फिल्म हिट 3 के प्रमोशन के लिए नानी और श्रीनिधि शेट्टी एक समारोह में पहुंचे थे। एक इंटरव्यू में इन दोनों से उनकी पसंदीदा तमिल फिल्मों के बारे में सवाल किया गया। इसके जवाब में अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी ने बताया कि उनकी सबसे खास फिल्म है लुब्बर पंधु, जो तमिल भाषा में है।

यह फिल्म है नानी की फेवरेट

पसंदीदा फिल्मों के सवाल के जवाब में एक्टर नानी ने कहा, तमिल सिनेमा को भूल जाओ। मेयाझगन (तेलुगु में सत्यम सुंदरम नाम से है) पिछले दशक की मेरी पसंदीदा फिल्म है। यह एक बेहतरीन फिल्म है। उस फिल्म ने मुझे शानदार अनुभव कराया था। प्रेम कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने जादू कर दिया था। आप सेट बना सकते हैं और हजारों करोड़ खर्च कर सकते हैं, लेकिन यह फिल्म पूरी तरह से जादू थी। इस शानदार फिल्म के लिए कार्थी, अरविंद स्वामी सर और प्रेम को बहुत-बहुत सम्मान।' आगे उन्होंने कहा, 'मैंने कार्थी को फोन किया और 'मेयाझगन' जैसी फिल्म बनाने के लिए उनकी सराहना की। जब भी मैं उस फिल्म के बारे में सोचता हूं, तो मुझे खुशी महसूस होती है।'

एक नजर 'हिट 3' की ओर

हिट 3 में नानी एक गुस्सैल पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं, जिस कारण इस फिल्म का फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। फिल्म में नानी के साथ श्रीनिधि शेट्टी भी नजर आएंगी। हिट फ्रेंचाइजी की पिछले भागों को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया था। 'हिट 3' एक मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मुझे मन-मुताबिक रोल ही नहीं मिलते, रामायण का हिस्सा होना खास है

रंग दे बसंती, आजा नच ले, बचना ऐ हसीनों, डॉन 2 जैसी मशहूर फिल्मों का हिस्सा रहे ऐक्टर कुणाल कपूर बहुत ही चुनिंदा प्रोजेक्ट्स में नजर आते हैं। पिछली बार वेब सीरीज द एंपायर में बाबर की भूमिका में दिखे कुणाल अब चार साल बाद फिल्म ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिंस को लेकर चर्चा में हैं।

नहीं मिलता मनमाफिक काम

चार साल के बाद स्क्रीन पर वापसी करने को लेकर कुणाल कहते हैं, मैं तो बहुत काम करना चाहता हूं पर उस तरह का काम मिलता नहीं है। अगर मेरा बस चलता तो मैं हर साल दो-तीन बार तो दिखता, लेकिन जिस तरह के काम की मुझे तलाश रहती है, वैसा आता नहीं है। ऐसे में, मेरा मानना है कि ऐसा काम जो आपको पसंद नहीं है, वो करने के बजाय अच्छे काम का इंतजार करना बेहतर है। कभी-कभार ऐसा भी हुआ कि मैं किसी फिल्म के शुरू होने का इंतजार कर रहा हूं, उस चक्कर में कोई और फिल्म नहीं की, पर वो पिक्चर नहीं बनी। कभी कोई फिल्म की, मगर उसे जैसा रिलीज मिलना चाहिए वो नहीं मिला तो लोगों को लगता है कि आपने बहुत काम नहीं किया। हालांकि, ऐसा नहीं है कि इंडस्ट्री या फिल्मों से मेरा कनेक्शन टूट गया है। मैं स्क्रिप्ट्स पर काम कर रहा था। फिल्मों के वर्कशॉप भी करता रहता हूं, तो थोड़े वक्त के बाद दिख रहा हूं, मगर मेरा इंवॉल्वमेंट उतना ही है।

खुद के लिए लिख रहा हूं कहानियां

ऐक्टिंग के साथ लेखन में भी हाथ आजमाने वाले कुणाल कपूर इन दिनों कई स्क्रिप्ट्स पर काम कर रहे हैं। उन्होंने बाकायदा एक राइटर्स रूम भी डेवलप किया है। इसके सोच के बारे में उन्होंने बताया, लिख तो मैं बहुत साल से रहा हूं। जब मैं फिल्म अक्स में असिस्टेंट डायरेक्टर था, तब से लिखता रहा हूं। जब पहली फिल्म लव शव ते चिकन खुराना मैंने समीर और सुमित ने मिलकर लिखी थी, वो हमारे पर्सनल एक्सपीरियंस पर आधारित थी, क्योंकि फिल्मों में जो पंजाब दिखाया जाता है, हमें लगता था कि वैसा पंजाब हमने तो नहीं देखा। हमने जो पंजाब देखा वो बहुत अलग है, तो हम उस पंजाब को लोगों के सामने लाना चाहते थे और उस एक्सपीरियंस में मुझे बहुत मजा आया था, क्योंकि उसमें आप शुरुआत से फिल्म से जुड़े होते हैं। इसलिए, मैंने सोचा कि जो कहानियां मैं लिख चुका हूं, उनको स्क्रिप्ट में डेवलप करके फिल्में बनानी चाहिए। इसलिए, मैंने एक राइटर्स रूम बनाया है, जहां अलग-अलग तरह की स्क्रिप्ट डेवलप की जा रही है। कुछ में मैं ऐक्टिंग करना चाहता हूं, कुछ प्रड्यूस करना चाहता हूं।

13 साल की उम्र में पोस्ट बॉक्स बेचे थे

फिल्म ज्वेल थीफ में करोड़ों के पैसों का खेल चलता है। ऐसे में, हमने कुणाल से उनकी पहली कमाई के बारे में जानना चाहा तो उन्होंने बताया, जब मैं 13-14 साल का था तो मुंबई में एक पहल हुई थी कि हर बिल्डिंग के नीचे एक पोस्ट बॉक्स होगा, क्योंकि जो पोस्टमैन आते हैं, उन बेचारों को बहुत सीढ़ियां चढ़ते हैं। इसलिए, सरकार का ये सुझाव था कि हर फ्लैट के नीचे एक पोस्ट बॉक्स होना चाहिए। तब मैंने एक सोसायटी को पोस्ट बॉक्स बेचे थे। मैं किसी को जानता था जो पोस्ट बॉक्स बनाते थे तो मैंने अपनी गर्मी की छुट्टियों में जाकर एक सोसायटी में करीब 20 पोस्ट बॉक्स बेचे थे और वो मेरी पहली कमाई थी। हालांकि, मुझे याद नहीं कि मैंने कितने पैसे कमाए थे और उनका क्या किया। शायद मैंने अपने डैड को दे दिया था। बता दें कि कुणाल अब भी इंवेस्टमेंट और बिजनेस में काफी सक्रिय हैं। वह ऐक्टर के साथ-साथ प्रशिक्षित पायलट और रैली कार ड्राइवर हैं, तो फंड जुटाने वाले चर्चित ऑनलाइन प्लैटफॉर्म केटो के को-फाउंडर भी हैं।

रामायण का हिस्सा होना खास

कुणाल आने वाले दिनों में सुपरस्टार चिरंजीवी स्टारर तेलुगु फिल्म विश्वंभरा और नितेश तिवारी की बहुचर्चित फिल्म रामायण में भी नजर आने वाले हैं। इन आने वाले प्रॉजेक्ट के बारे में वह बताते हैं, विश्वंभरा तो जल्द ही रिलीज होने वाली है। वह बहुत ही मजेदार कहानी है और फिल्म में मेरा जैसा रोल है, वह ना तो मैंने पहले किया है और ना ही मुझे आगे करने का मौका मिलेगा, इसलिए मै उसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। वहीं, रामायण के बारे में ज्यादा बता नहीं सकता, क्योंकि उसमें अभी बहुत वक्त है, लेकिन वह मेरे लिए बहुत खास फिल्म होने वाली है।

मुंबई से ठाणे के बीच चली थी भारत की पहली रेलगाड़ी

भारत की यातायात में जान फुक देने वाली भारतीय रेल समूचे भारत को आपस में जोड़ कर रखती है.वर्तमान में जम्मू - कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी व गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक फैले रेल नेटवर्क से यात्रियों को रेल यातायात की सुविधा मिल जाती है.आज सम्पूर्ण भारत में फैला रेल नेटवर्क सन 1853 में मुंबई से ठाणे के बीच मात्र 34 किलोमीटर का हुआ करता था.यु तो प्रत्येक भारतीय ने अपने जीवन में कभी न कभी रेल के सफर का लुफ्त जरूर उठाया होगा.परंतु बहुत कम ऐसे लोग है जो पहली रेल से जुड़े इतिहास व इसकी प्रग्रति को जानते होंगे.इस लेख के द्वारा आपको भारत में चलाई गई पहली रेल से जुड़े रोचक इतिहास की जानकारी देने जा रहे है.

भारत की पहली रेलगाड़ी से जुड़े रोचक व ज्ञानवर्दक तथ्य

- भारत में रेल निर्माण को लेकर सर्वप्रथम 1844 में रेल संबंधित प्रस्ताव के बारे में चर्चा की गई थी
- लार्ड डलहौजी के 1847 में भारत का गवर्नर जनरल नियुक्त होने के बाद रेल परियोजना में तेजी से काम होने लगा.
- भारत की पहली रेल 16 अप्रैल 1853 को मुंबई से ठाणे के बीच अंग्रेजो द्वारा चलाई गई थीइन दोनों स्टेशन के बीच की दुरी मात्र 34 किलोमीटर थी
- भारत में चलाई गई पहली रेल को 34 किलोमीटर की दुरी तय करने में 1 घंटा 15 मिनट का समय लगा था.
- क्या आप जानते है पहली रेल में कुल 400 यात्रियों ने सफर किया था.और इस रेल में 14 रेल डिब्बों को जोड़ा गया था.
- भारत में चलाई गई पहली रेलगाड़ी में कुल 3 इंजिन को लगाया गया था.जिनका नाम क्रमश : सिंध, मुल्तान व शाहिब था.
- पहली रेल को भांप इंजन के द्वारा चलाया गया था.
- इस रेल का निर्माण करने वाली कंपनी का नाम मध्य रेलवे की ग्रेट इंडियन पेनिनसुलर रेलवे था.
- जिस समय इस ट्रेन को चलाया गया था तब समय 3 बजकर 35 मिनट हो रहे थे.
- वर्तमान में भारतीय रेल नेटवर्क एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है व सम्पूर्ण विश्व में भारतीय रेल नेटवर्क को 4 स्थान हासिल है.

कंगारू में होती है गजब की खूबियाँ

कंगारू जिसे उछलने वाला जानवर के नाम से भी जाना जाता है.और यह ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रीय पशु है.यह एक स्तनधारी जीव है परंतु यह स्तनधारी जीव होकर भी उन जीवों से बेहद अलग है, क्योंकि यह अपने दो पैरों पर चलता है और चलना भी क्या यह अपने पैरों पर चलकर ना अपितु उछलकर चलता है.जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इसी गजब जानवर से संबंधित है.आज हम आपको कंगारू से जुड़े ऐसे रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद नहीं पढ़े होंगे.तो देर ना करते हुए चलिए जानते हैं कंगारु से जुड़े हैरान कर देने वाले महत्वपूर्ण तथ्य

- क्या आप जानते हैं विश्व में सर्वाधिक मात्रा में कंगारू ऑस्ट्रेलिया में पाए जाते हैं.यहां पर आपको कंगारू सड़कों पर घूमते मिल जाएंगे.उदाहरण के तौर पर जिस तरह भारत की गलियों में कुत्तों की फौज घूमती है ठीक ऐसे ही ऑस्ट्रेलिया की गली गली में कंगारू घूमते है.
- क्या आप जानते हैं कंगारू एक शाकाहारी जीव होता है और यह आमतौर पर फल, घास इत्यादि खाते हैं.
- विश्व में अब तक कंगारुओं की कुल 4 प्रजातियां खोजी गई हैं. जिन्हें रेड कंगारू , अंतिलोपीन कंगारू, ईस्टर्न ग्रे और वेस्टर्न ग्रे के नाम से जाना जाता है.
- कंगारू जमीन पर उछल कर चलने वाला प्राणी है क्योंकि इसके अगले दो पैर छोटे होते हैं जिसके कारण यह जमीन पर संतुलन नहीं बना पाते और यह अपने पिछले दो पैरों पर कूद-कूद कर आगे बढ़ते हैं.
- आपको जानकर हैरानी होगी कंगारू जमीन पर चलने के साथ-साथ पानी में तैर भी सकते हैं.
- क्या आप जानते हैं कंगारू अपने सर को गुमाये बिना अपने कानों को किसी भी दिशा में घुमा सकते हैं.अर्थार्थ इन्हें अपने कानों को किसी भी दिशा में घुमाने के लिए सिर को घुमाने की जरूरत नहीं होती.
- क्या आप जानते हैं कंगारू का गर्भकाल बेहद छोटा होता है और यह मात्र 30 से 35 दिनों का ही होता है, परंतु इतने छोटे गर्भकाल के कारण कंगारू का बच्चा पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो पाता और यह अपनी मां के पेट पर बनी थैली में पहुंच जाता है और यही से यह बच्चा पूर्ण रूप से विकसित होना शुरू होता है.
- क्या आप जानते हैं कंगारुओं का एक पांचवा पैर भी होता है. उदाहरण के तौर पर कंगारुओं की पूंछ इतनी शक्तिशाली होती है कि यह सिर्फ अपनी पूंछ पर अपना सारा वजन डाल सकते हैं और यह पूछ इन के पांचवें पैर का काम करती है.
- जब यह 40 से 60 किमी की रफ्तार से जम्प करता है तो इसके पीछे पैर और पूंछ से अपना संतुलन बनाए रखता है। खड़े रहने पर उसकी पूंछ ही उसका सहारा होती है.
- नर कंगारू को बूम, मादा कंगारू को डो और कंगारू के बच्चे को जॉय कहा जाता है.
- क्या आप जानते है इनकी आंखें बहुत तेज होती हैं परंतु ये सिर्फ चलती-फिरती वस्तुओं को ही देख पाते हैं.

आजकल युवाओं में एनिमे का बड़ा क्रेज है। स्कूल-कॉलेजों में बच्चे झुंड बनाकर बस इसी के बारे में चर्चा करते रहते हैं। जो नई एनिमे सबसे पहले देखकर आता है, उसे बाकियों द्वारा 'कूल' समझा जाता है। पिछले कुछ वर्षों में एनिमे ने वैश्विक स्तर पर प्रसिद्धि प्राप्त की है। दिसंबर 2021 में जारी की गई एक रिपोर्ट की माने तो पूरी दुनिया में करीब 50 करोड़ लोग एनिमे देखना पसंद करते है। तो आखिर ये एनिमे है क्या? और इसकी इतनी लोकप्रियता का राज क्या है?

एनिमे क्या है?

'एनिमे' शब्द जापान से प्रचलित हुआ है - जिसका मतलब है एनीमेशन। अब आप ये सोचेंगे कि भला युवाओं को कार्टूनों की दुनिया से क्या लेना-देना? लेकिन, इन्हीं कार्टूनों ने युवाओं की मानसिकता पर ऐसा प्रभाव डाला है कि अगर उनके सामने एनिमे को कोई कार्टून कह दे, तो वे बिफर जाते हैं। क्यों कि उनके अनुसार एनिमे, कार्टून सीरीज से अलग है। ये सीरीज अक्सर जापान के लेखकों द्वारा लिखे गए 'मांगा' (लघु उपन्यास) पर आधारित होती है। यूं तो जापानीज एनीमेशन 1920 के दशक से प्रसारित होता आ रहा है, लेकिन कुछ सालों पहले से एनिमे की एक नई श्रेणी प्रचलित हुई है, जिसे 'शोनेन' कहा जाता है। इस तरह के एनिमे सीरीज मुख्य रूप से युवा दर्शकों की रूचि को केंद्र में रखकर बनाए जाते हैं। वेब सीरीज की तरह इनके भी सीजन्स और एपिसोड्स होते हैं, जिन्हें ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से देखा जा सकता है। अटैक ऑन टाइटन, फुल मेन्टल अलकेमिस्ट, वन पीस, नारुटो, डेथ नोट, जुजुत्सु काइसन, वन पंच मैन आदि प्रसिद्ध एनिमे की लिस्ट में गिने जाते हैं।

एनिमे की लोकप्रियता का रहस्य क्या है?

अकेले जापान में ही एनिमे का सालाना कारोबार 19 बिलियन डॉलर (1900 करोड़) का है। इसकी लोकप्रियता के कारण कई सारे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ऐसे भी हैं, जहां पर केवल एनिमे ही उपलब्ध है। 'नारूटो' नामक एनिमे सीरीज के सभी सीजन्स मिलाकर 822 एपिसोड्स हैं ,जिन्हें कई युवाओं द्वारा बिंज वॉचिंग करके कुछ ही महीनों के भीतर देखा जा चुका है। एनिमे सीरीज और किरदारों से जुड़े प्रोडक्ट जैसे टी-शर्ट्स, मास्क्स, स्टिकर्स आदि बेचने वाली कंपनियां भी जमकर मुनाफा कमा रही है। नियमित रूप से एनिमे देखने वालों के लिए अब ये मनोरंजन का प्राथमिक साधन बन गया है। आइए जानते हैं एनिमे की इतनी लोकप्रियता के मुख्य कारण क्या है.-

दुनियाभर के युवाओं के बीच लोकप्रिय एनिमे की सफलता का रहस्य क्या है

विषयों की विविधता

एनिमे की शैलियों की विस्तृत श्रृंखला इनकी लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण है। एनिमे में हर व्यक्ति अपने हिसाब की शैली का आनंद ले सकता है। रोमांस, कॉमेडी, एक्शन, एडवेंचर, मिस्ट्री, सस्पेंस और हॉरर आदि एनीमे प्लॉट्स द्वारा खोजी गई कई शैलियों में से कुछ हैं। तो आप एक अपनी पसंद को ध्यान में रखकर कोई भी दिलचस्प क्षेत्र से शुरू कर सकते हैं। एनिमे सीरीज की कहानी इस तरह से बनाई जाती है कि हर उम्र के दर्शकों को मनोरंजन प्रदान किया जा सके। कहा जा सकता है की एनिमे बॉलीवुड और हॉलीवुड की तरह ही एक इंडस्ट्री है, जिसमें हर तरह के विषयों पर कंटेंट बनाया और परोसा जाता है।

बेहद प्रभावशाली एनीमेशन और किसी को पल भर में मोहित कर लेना ही दृश्य तत्व का मुख्य दायित्व होता है, जिसे एनिमे क्रिएटर्स द्वारा बड़े प्रभावी ढंग से किया जाता है। हर चीज एनिमेटेड होने की वजह से युवाओं को जोड़े रखना चुनौतीपूर्ण कार्य है। किन्तु,कल्पनाशील अभिव्यक्ति और रचनात्मकता के सहारे हर कहानी को बहुत ही खूबसूरती के साथ प्रदर्शित किया जाता है। रंग और छायांकन के उपयोग से लेकर विस्तृत विवरण और स्पष्टता तक, सब कुछ इतनी सावधानी और सोच-समझकर बनाया जाता है, जिससे आपको ऐसा अनुभव हो कि आप उसी कहानी के एक किरदार है। कई सारे हाई क्वालिटी ग्राफिक्स का इस्तेमाल करके एक्शन, हॉरर सीन्स को इतना बेहतरीन बना दिया जाता है कि दर्शक अपनी जगह से हिल भी न पाए। इस तरह एनिमे देखने वाले लोग कई एपिसोड्स को एक ही बार में देख लिया करते हैं।

असल जिन्दगी से जुड़े किरदार

वैसे तो एनिमे कार्टून सीरीज ही हैं, लेकिन इसके किरदार रियल लाइफ से काफी हद तक जुड़े होते हैं। ये सिर्फ हंसी-खुशी तक सीमित न रहकर डिप्रेशन, मानसिक दुर्बलता, जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने में कठिनाई आदि कई विषयों पर भी खुलकर बात करते हैं। एनिमे के विषयों और किरदारों को युवा पीढ़ी अपने वास्तविक जीवन से जोड़कर देखने लगी है। एनिमे की सबसे अच्छी बात ये होती है कि इसकी कहानियों में किरदारों को बहुत अच्छी तरह से बना जाता है, जिन्हें देखते देखते दर्शकों को उनसे जुड़ाव महसूस होने लगता है। यही जुड़ाव उन्हें कहानी के अंत तक जाने के लिए प्रेरित भी करता है। कहानी के साथ साथ पात्रों के चरित्र को प्रभावशाली संवादों और विजुअल्स के साथ बखूबी प्रदर्शित किया जाता है। साथ ही हर एनिमे अपने भीतर किसी न किसी जीवन मूल्य को छुपाए होता है। इसमें किरदारों के व्यक्तित्व की उन खूबियों को भी दिखाया जाता है, जिसे टीवी या ओटीटी सीरीज के निर्माता नजरअंदाज कर देते हैं। एनिमे किरदारों के ये सभी गुण मिलकर उन्हें और अधिक वास्तविक रूप प्रदान करते हैं।

विजुअल इफेक्ट्स में चार चांद लगाने का काम एनिमे का पार्श्व संगीत करता है, जो दर्शकों को कहानी और किरदारों से जोड़े रखता है। यह काफी रहस्यमय और लगभग चमत्कारी है कि किस तरह एनिमे का संगीत किसी चीज को भावनाओं की एक शक्तिशाली प्रतिध्वनि में बदल सकता है।

बदलाव को स्वीकारने वाला समुदाय

एनिमे सीरीज की सबसे खास बात ये है कि इसके निर्माताओं के ग्रुप की सोच बहुत ही प्रगतिशील है, जो मनोरंजन के क्षेत्र में दुनियाभर में हो रहे बदलावों को ध्यान में रखकर कंटेंट का निर्माण करता है। यह देखते हुए कि एनिमे रचनात्मकता को संचालित करता है, इसका ग्रुप भी जबरदस्त प्रतिभा और क्षमता से भरा हुआ है। एनीमे सम्मेलन कुशल कलाकारों, संगीतकारों, लेखकों, पोशाक डिजाइनरों, फोटोग्राफरों, वीडियोग्राफरों और अन्य रचनाकारों के लिए महान मंच प्रदान करते हैं जो एनिमे के माध्यम से अपने काम को प्रस्तुत करने की दिशा में कार्य करना चाहते हैं। ग्रुप ने एक यूट्यूब निर्माताओं उप-श्रेणी का उदय भी किया है, जो एनीमे से जुड़ा कंटेंट बनाते हैं।

एनिमे सीरीज की सबसे अच्छी बात ये है की इसमें दर्शक को हर बार एक नया एहसास होता है। भारत के साथ साथ विश्व भर में एनिमे के भविष्य को लेकर अपार संभावनाएं है। एनिमे एक ऐसे विकल्प के रूप में उभर रहा है, जो हो सकता है आगे चलकर दुनियाभर के युवाओं के लिए मनोरंजन का प्राथमिक साधन बनने का माद्दा रखता है।

लंगड़ा भूत

जिस दिन से नूरांश का सातवीं क्लास का रिजल्ट आया था, उसी दिन से उसने पापा से दादी के गांव ले चलने की रट लगा रखी थी। कहता था, 'इस साल मुझे दादी के गांव ही जाना है बस। हिल स्टेशन पर घूमने भी नहीं जाना।' उसका गांव जाने को लेकर उत्साह देखते हुए उसके मम्मी-पापा ने उससे प्रॉमिस किया कि, 'ठीक है, इन गर्मियों की छुटियों में दादी के पास गांव चलेंगे।' मम्मी-पापा से प्रॉमिस लेने के बाद ही नूरांश निश्चिंत। दस दिन बीत जाने के बाद आखिर दादी के घर जाने का समय भी आ गया। नूरांश बहुत खुश था, क्योंकि उसके पापा ने गर्मी की छुट्टियों में दादी और चाचा के पास गांव जाने के लिए टिकट बुक करवा लिए थे। अगले दिन उन्हें गांव जाना था। अगले दिन नूरांश गांव पहुंच गया। वह बहुत खुश था । उसकी दादी, चाचा, चाची, उसके चचेरे भाई-बहन रेयांश और गुड्डन सब उसे प्यार करते थे और उसके आने से बहुत खुश थे। एक दिन दोपहर का खाना खाने के बाद जब सब सोए हुए थे तो नूरांश को गर्मी की वजह से नींद नहीं आ रही थी। वह चुपचाप अपने कमरे से बाहर दादी के पास बरामदे में आ गया और बोला, 'दादी, मुझे नींद नहीं आ रही है। मेरा मन खेतों की ठंडी हवा में जाने का कर रहा है। क्या मैं खेतों में जाकर आ सकता हूं?' दादी बोलीं, 'बेटा ! खेत तो यहां से काफी दूर हैं, तुम अकेले कैसे जाओगे? फिर वापस आते-आते अंधेरा भी हो जाएगा और रास्ते में पीपल का पेड़ भी पड़ेगा। लोग कहते हैं कि उस पेड़ पर लंगड़ा भूत रहता है। तुम आज रहने दो, कल चाचा के साथ मोटरसाइकिल से खेतों की तरफ चले जाना।' यह सुनकर नूरांश बोला, 'दादी, मैं पैदल थोड़े ही जाऊंगा। चाचा की साइकिल पर जाऊंगा, मुझे साइकिल चलानी आती है और शाम होने से पहले ही लौट आऊंगा। फिर किस बात का डर? तभी उसके चाचा भी अंदर से उठकर आ गए और कहने लगे, 'मां, उसका मन है तो जाने दो। अब वो आठवीं क्लास में पढ़ता है, छोटा बच्चा नहीं है। जाओ नूरांश, ध्यान से साइकिल चलाना। इसका स्टैंड थोड़ा ढीला है, पर साइकिल ठीक चलती है। और हां, जल्दी आ जाना नहीं तो तुम्हारी दादी यूं ही घबराती रहेंगी।' 'ठीक है चाचू , मैं जल्दी आ जाऊंगा। थैंक्यू दादी, थैंक्यू चाचू। दादी, मम्मी-पापा जब उठ जाएं तो उन्हें भी बता देना।' इतना कहकर नूरांश साइकिल लेकर खेतों की ओर चला गया। हरे-हरे लहलहाते खेतों को देखकर उसे बहुत अच्छा लगा। मिट्टी की सौंधी-सौंधी खुशबू के बीच टहलते हुए उसे बहुत मजा आ रहा था। कुछ आगे जाने पर उसने खेतो में मोर नाचते हुए भी देखे। वह उन्हें एकटक देखता ही रह गया। तभी उसकी नजर एक पेड़ के नीचे बिछी हुई चारपाई पर पड़ी। उसने सोचा,'अभी तो शाम होने में बहुत समय है, चलो कुछ देर इसी चारपाई पर लेटता हूं।' ऐसा सोचते-सोचते वह चारपाई पर लेट गया। ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी। इस बीच उसकी आंख कब लग गई, उसे पता ही नहीं चला। जब उसकी आंख खुली तो अंधेरा हो चुका था।

यह देखकर वह खुद को कोसने लगा कि वह सोया ही क्यों! घर पर सब चिंता कर रहे होंगे, यह ख्याल आते ही वह फटाफट उठा और जल्दी-जल्दी साइकिल चलाने लगा। जल्दी घर पहुंचने के लिए वह तेजी से साइकिल चला रहा था। जैसे ही वह पीपल के पेड़ के पास पहुंचा, अचानक अंधेरे में साइकिल का अगला पहिया एक पत्थर पर चढ़ गया और वह गिर पड़ा। तभी दादी के शब्द उसके कानों में गूंजने लगे कि पीपल के पेड़ पर लंगड़ा भूत रहता है। उसने फटाफट अपनी साइकिल उठाई और घर की तरफ जाने लगा। पर यह क्या? उसके पीछे खरड़-खरड़ और छन-छन जैसी आवाजें आने लगीं। उसने सोचा कि हो न हो लंगड़ा भूत ही उसके पीछे आ रहा है। यह बात मन में आते ही उसने साइकिल और तेज चलानी शुरू कर दी। पर यह क्या? वह जितनी तेजी से साइकिल चलाता, छन-छन की आवाज भी उतनी ही तेजी से आने लगती, जैसे कोई उसके पीछे आ रहा हो। डर से उसके हाथ कांपने लगे और वह पूरी तरह पसीने से भीग गया। तभी उसे गांव की लाइटें दिखाई देने लगीं। उसने हिम्मत नहीं हारी और किसी तरह साइकिल चलाता रहा। आवाजें भी लगातार आती रहीं। कुछ देर बाद वह घर पहुंच गया।

घर पहुंचते ही उसने साइकिल एक तरफ फेंकी और चाचा को देखते ही उनसे लिपट गया। बोला,'चाचू, मुझे बचा लो, मेरे पीछे पीपल के पेड़ वाला लंगड़ा भूत आ रहा है। वह मुझे खा जाएगा।' चाचा और पूरा परिवार उसकी ऐसी हालत देखकर हैरान हो गए। सबने उसे पानी पिलाया फिर उसका डर भगाने की कोशिश करने लगे। चाचा बोले,'कोई भूत-वूत नहीं होता है। यह तो हमारे अंदर का डर होता है बस और कुछ नहीं। अच्छा, अगर भूत है तो बताओ वह अंदर क्यों नहीं आया? मुझे पूरी बात बताओ कि आखिर हुआ क्या था?' अब तक नूरांश का डर भी काफी कम हो चुका था। उसने चाचा को बताया कि कैसे उसे खेत में नींद आ जाने पर अंधेरा हो गया था और घर जल्दी पहुंचने के लिए वह साइकिल तेज चलाने लगा। इसके बाद पीपल के पेड़ के पास गिरने और लंगड़े भूत के पीछा करने की आवाजें आने की बात भी उसने चाचा को बताई। इतना सुनते ही चाचा दो मिनट के लिए बाहर गए और साइकिल देखते ही सारा माजरा समझ गए। उन्होंने नूरांश को अपने पास बुलाया और पूछा,'तुमने अपने स्कूल में पेड़ों के बारे में जरूर पढ़ा होगा। अब जरा बताओ कि पेड़ हमारे दोस्त हैं या दुश्मन?' 'चाचू, दोस्त हैं।' चाचा ने फिर सवाल किया, 'फिर तुमने यह कैसे सोच लिया कि पीपल के पेड़ पर भूत रहता है?' नूरांश बोला, 'वो दादी ने कहा था न, इसलिए मुझे ऐसा लगा।' चाचा ने समझाया, 'बेटा, आपकी दादी गांव में रहती हैं और सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास कर लेती हैं, क्योंकि उनके समय में आजकल की तरह शिक्षा के साधन नहीं थे। गांव में स्कूल नहीं होते थे, पर अब ऐसा नहीं है। सब शिक्षित होते जा रहे हैं। शिक्षा से ही हमारा अज्ञान दूर होता है और हम तरक्की करते हैं। जरा सोचो कि जो पेड़ हमें छाया देते हैं, फल-फूल, लकड़ी आदि देते हैं, बंदर और गिलहरी आदि जीवों को शरण देते हैं, घनी छाया देते हैं, धरती की शोभा बढाते हैं, ऐसे दोस्त क्या हमें भूत देंगे?' 'नहीं चाचू, आई एम सॉरी।' 'आओ, अब तुम्हें तुम्हारे लंगड़े भूत से भी मिलवाते हैं। बाहर आओ।' चाचा नूरांश को साइकिल के पास लेकर गए और उससे पूछा,'जब तुम खेतो में साइकिल लेकर जा रहे थे तो याद है मैंने तुमसे कुछ कहा था।' 'आपने कहा था कि साइकिल का स्टैंड थोड़ा ढीला है, ध्यान से चलाना।' 'हां, बिल्कुल ठीक। तो यह देखो! हुआ यह कि जब तुमसे साइकिल गिरी तो उसका स्टैंड ढीला होने की वजह से एक साइड से निकल गया और जमीन से टकराने लगा। तुम साइकिल चला रहे थे तो वह जमीन से बार-बार टकराकर आवाज कर रहा होगा। तुमने साइकिल चलाने की स्पीड बढ़ाई होगी तो जरूर उसकी आवाज और तेज हो गई होगी। और तुम समझते रहे कि कोई लंगड़ा भूत तुम्हारा पीछा कर रहा है। अब तो सारा माजरा समझ गए न।' 'सब समझ में आ गया चाचू। अब मैं हर काम सोच-समझकर करूंगा और अंधविश्वास से हमेशा दूर रहूंगा। दादी आप भी कभी सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास मत कीजिएगा और अगर आप ऐसा करेंगी तो लंगड़े भूत को आपके पीछे लगा दूंगा।' नूरांश के ऐसा कहते ही सब खिलखिलाकर हंस दिए।

मन की साधना

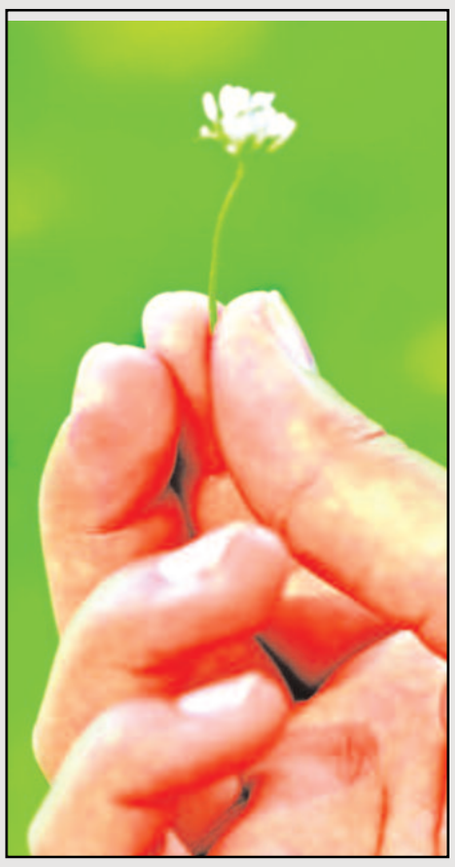

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता में है जीवन का ज्ञान

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक अमित तंवर ने मोनेक्स ऑफसेट बी- 12 शंभू दयाल कॉम्प्लेक्स निकट एमएमजी अस्पताल गाजियाबाद (उ0 प्र0) में छपवा कर 30, मकनपुर, इंदिरापुरम, गाजियाबाद (उ0 प्र0) से प्रकाशित किया (RNI No:- UPHIN/2010/35305)